■ आषाढ़ कृष्ण - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 324 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 23-06-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित करेगी मप्र सरकार : मोहन यादव

6 भीम बहादुर थापा: लक्ष्य तक पहुंचने के लिए बढ़ाते रहे हौसला, 21 बलिदानियों में हुए शामिल

7 लॉस एंजिल्स 2024 के इंडियन फिल्म फेस्टिवल के लिए जूरी में शामिल हुईं श्रिया पिलगांवकर

केंद्र ने परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने के लिए कठोर कानून लागू किया

सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 हुआ लागु

■ इस कानून के तहत पेपर लीक करने या उत्तर पुस्तिका के साथ छेड़छाड़ करने पर कम से कम तीन साल की कैद और 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। पेपर लीक को लेकर मचे बवाल के बीच देश में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम (केंद्रीय भर्ती और केंद्रीय शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के लिए परीक्षाओं के लिए पेपर लीक विरोधी कानून) 2024 शुक्रवार रात से प्रभावी हो गया है।

केंद्र सरकार की ओर से देर रात इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गयी। । इस कानून के तहत पेपर लीक करने या उत्तर पुस्तिका के साथ छेड़छाड़ करने पर कम से कम तीन साल की कैद और 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय की ओर से जारी राजपत्र अधिसूचना में कहा गया है, सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 (2024 का 1) की धारा 1 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार एतद्द्वारा 21 जून 2024 को उक्त अधिनियम के प्रावधानों के लागू होने की तिथि के रूप में तय करती है।

उल्लेखनीय है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रही गड़बड़ियों को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 को पांच फरवरी को लोकसभा में पेश किया था और लोकसभा में यह बिधेयक छह फरवरी को पास हो गया था। इसके बाद इसे राज्यसभा में पेश किया गया, जहां पर इसे 09 फरवरी को पास कर दिया गया था। दोनों सदनों से पास होने के बाद इस विधेयक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के पास मंजूरी के लिए भेजा गया और उन्होंने 13 फरवरी को इसे मंजूरी प्रदान कर दी थी। अब केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर इस कानून को शुक्रवार की आधी रात से देशभर में में लागू कर दिया है।

भारत और बांग्लादेश ने अहम क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के लिए 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और बांग्लादेश ने शनिवार को नये क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए भविष्य की योजना पर सहमति जताई और समुद्री क्षेत्र समेत कई अहम क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के लिए 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना के बीच व्यापक वार्ता के दौरान समझौतों को अंतिम रूप दिया गया।

दोनों पक्षों द्वारा हस्ताक्षरित प्रमुख समझौतों में डिजिटल क्षेत्र में संबंध प्रगाढ़ करने और ''हरित साझेदारी'' पर भी एक समझौता शामिल है। दोनों पक्षों ने रेलवे संपर्क पर भी एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। अन्य समझौते समुद्र विज्ञान, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, आपदा प्रबंधन और मत्स्य पालन के क्षेत्रों में किए गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक बयान में कहा, ''आज हमने नये क्षेत्रों में सहयोग के वास्ते भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण तैयार किया है। हरित साझेदारी, डिजिटल भागीदारी, समुद्री अर्थव्यवस्था (ब्लू इकोनॉमी) और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर बनी सहमति से दोनों देशों के युवाओं को लाभ मिलेगा।''

अपनी टिप्पणी में हसीना ने भारत को बांग्लादेश का प्रमुख पड़ोसी और एक विश्वसनीय मित्र बताया। उन्होंने कहा, ''भारत हमारा प्रमुख पड़ोसी, विश्वसनीय मित्र और क्षेत्रीय साझेदार है। बांग्लादेश, भारत के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देता है।''

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता में भारत सरकार और भारत के लोगों के योगदान को कृतज्ञता के साथ याद करती हूं।''

तीस्ता नदी के जल के संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए बड़ी परियोजना पर सहमत हुए भारत, बांग्लादेश

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के बीच शनिवार को वार्ता हुई। मोदी और हसीना के बीच हुई वार्ता के प्रमुख परिणामों में तीस्ता नदी के संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए एक बड़ी परियोजना के वास्ते भारत द्वारा एक तकनीकी दल को शीघ्र ही बांग्लादेश भेजना, एक व्यापक व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ना और रक्षा संबंधों को बढ़ावा देना शामिल है। दोनों पक्षों ने डिजिटल क्षेत्र, समुद्री क्षेत्र, समुद्री अर्थव्यवस्था, रेलवे, अंतरिक्ष, हरित प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और चिकित्सा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने के लिए 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

फर्स्ट टेक

भोजशाला सर्वेक्षण: सनातन धर्म से जुड़ी मूर्तियां मिलने का दावा

धार (मप्र)/भाषा। एक हिंदू नेता ने शनिवार को दावा किया कि मध्य प्रदेश के धार में भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर में अदालत के आदेश पर वैज्ञानिक सर्वेक्षण के दौरान सनातन धर्म से संबंधित मूर्तियां मिली हैं। हालांकि, मुस्लिम पक्ष ने कहा कि ये मूर्तियां एक झोपड़ी से बरामद की गई थीं और इन्हें सर्वेक्षण का हिस्सा नहीं बनाया जाना चाहिए। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने 11 मार्च को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को भोजशाला परिसर का 'वैज्ञानिक सर्वेक्षण' करने का निर्देश दिया था। भोजशाला एक मध्यकालीन स्मारक है, जिसके बारे में हिंदुओं का मानना है कि यह वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर है, वहीं मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला मस्जिद कहते हैं। शनिवार को सर्वेक्षण का 93वां दिन था। भोजशाला मुक्ति यज्ञ के संयोजक गोपाल शर्मा ने बताया, ''सर्वेक्षण के दौरान उसी स्थान पर पत्थर से बनी वासुकी नाग की मूर्ति मिली है, जहां तीन दिन पहले श्रीकृष्ण की मूर्ति मिली थी।

रूस का यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर हमला जारी

कीव/एपी। रूस ने यूक्रेन के दक्षिण-पूर्व और पश्चिमी हिस्सों में सारी रात मिसाइलों और ड्रोन से हमला करके ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जिससे कई ऊर्जा संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गए जबकि वहां काम कर रहे कम से कम दो श्रमिक भी घायल हुए हैं। यहां शनिवार को अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि रूस ने ऊर्जा प्रतिष्ठानों एवं अहम बुनियादी ढांचों पर 16 मिसाइलें एवं 13 'शाहेद' ड्रोन दागे। तीन महीने पहले रूस द्वारा ऊर्जा संयंत्रों पर हमला तेज करने के बाद यूक्रेन के विद्युत संयंत्रों पर यह आठवां बड़ा हमला था। वायुसेना ने बताया कि रूस द्वारा दागी गयी 16 में से 12 मिसाइलों और 13 ड्रोन को यूक्रेन की वायु प्रतिरक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया।

उरी में घुसपैठ के प्रयास को नाकाम किया

श्रीनगर/भाषा। सुरक्षा बलों ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी उन्होंने बताया कि वहां अभी गोलीबारी जारी है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने उरी सेक्टर के गोहल्लां इलाके में नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया उन्होंने बताया कि अन्य विवरण का इंतजार है।

परीक्षा कानून का लागू किया जाना 'डैमेज कंट्रोल' की कोशिश : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि नीट-स्नातक, यूजीसी-नेट परीक्षाओं को लेकर विवाद के बीच, केंद्र सरकार द्वारा लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 अधिसूचित किया जाना ''डैमेज कंट्रोल'' (स्थिति को संभालने) की कोशिश है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि इस कानून की जरूरत थी, लेकिन यह पेपर लीक के बाद की स्थिति से निपटता है जबकि यह सुनिश्चित करने के लिए कानून और प्रक्रियाओं की आवश्यकता है कि पेपर लीक ही न हो। रमेश ने यह भी कहा, इस कानून की जरूरत थी, लेकिन यह लीक होने के बाद मामले से निपटता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कानून, प्रणालियां और प्रक्रियाएं अधिक महत्वपूर्ण हैं कि पेपर लीक ही न हो।

नीट पीजी प्रवेश परीक्षा टली

नई दिल्ली/वार्ता। केंद्र सरकार ने उच्च चिकित्सा शिक्षा की राष्ट्रीय पात्रता -सह -प्रवेश परीक्षा परा स्नातक (नीट - पीजी प्रवेश) परीक्षा टालने की घोषणा की है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की नीट पीजी परीक्षा टाल दी गई है। परीक्षा की नई तिथियां की घोषणा बाद में की जाएगी। नीट पीजी प्रवेश परीक्षा कल 23 जून को निर्धारित थी। मंत्रालय ने कहा है कि हाल ही की कुछ प्रवेश परीक्षाओं में अनियमितताओं की घटनाओं को देखते हुए इस परीक्षा को टालने का निर्णय लिया गया है। मंत्रालय ने कहा है कि परीक्षा की पूरी प्रक्रिया को जांच परखा रखा जाएगा और नई तिथियां की घोषणा जल्दी की जाएगी। मंत्रालय ने परीक्षा की तिथियां को टालने पर खेद व्यक्त किया है और कहा है कि छात्रों के हितों परीक्षा की शुचिता को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया है।

खालिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करे कनाडा सरकार : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। कुछ दिन पहले कनाड़ा की संसद में आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर को श्रद्धांजलि दिए जाने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वरिष्ठ नेता एवं यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जय भगवान गोयल के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता ने शनिवार को यहां तीन मूर्ति चौक से लेकर चाणक्यपुरी थाना तक रैली निकाली।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि कुछ दिन पहले इटली में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में कनाड़ा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात के दौरान विश्व शांति और आपसी प्रेम की जोरदार वकालत की थी। इतना ही नहीं पिछले दिनों भारत में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रूडो ने आतंकवाद के गंभीर मुद्दे पर भारत के साथ पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब कनाड़ा की संसद में निज्जर को श्रद्धांजलि दी गई है और दो मिनट का मौन भी रखा गया है जिसका भाजपा और यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट पूरजोर विरोध करता है।

उन्होंने कहा कि आज के विरोध प्रदर्शन के माध्यम से हम ट्रूडो से खालिस्तानी आतंकवादियों से दूरी बनाने की अपील करते हैं। इतना ही नहीं आतंकवादी गुरुपतवंत सिंह पन्नू को भी संरक्षण देने की बजाए उचित कानूनी कार्रवाई करते हुए भारत को जल्द से जल्द सौंपने की अपील करते हैं।

गोयल ने कहा कि कनाडा में हिन्दुओं के मंदिरों पर लगातार आतंकी हमले हो रहे हैं और वहां की सरकार आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय भारत पर ही निज्जर की हत्या की साजिश रचने के झूठे आरोप रही है। उन्होंने कहा कि निखिल गुप्ता पर झूठा आरोप लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि कनाडा की सरकार को गुप्ता को तत्काल रिहा करना चाहिए। आतंकवादियों की हत्या कराने की साजिश के झूठे आरोपों को भारत जैसे शांतिप्रिय देश कभी भी स्वीकार नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति तो हमेशा से वसुधैव कुटुम्बकम की रही है।

केंद्र की मंशा पेट्रोल, डीजल पर जीएसटी लगाने की : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ जीएसटी का इरादा पेट्रोल और डीजल को जीएसटी में लाना था। अब राज्यों को दर तय करनी है। मेरे पूर्ववर्ती (अरुण जेटली) की मंशा बहुत स्पष्ट थी, हम चाहते हैं कि पेट्रोल और डीजल जीएसटी में आएं।

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार की मंशा हमेशा से पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने की रही है और अब राज्यों को एक साथ आकर इसकी दर तय करनी है उन्होंने कहा कि पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने पेट्रोल और डीजल को जीएसटी कानून में शामिल करने का प्रावधान पहले ही कर दिया है। अब बस राज्यों को एक साथ आकर दर तय करने के लिए चर्चा करनी है।

सीतारमण ने कहा, ''जीएसटी का इरादा पेट्रोल और डीजल को जीएसटी में लाना था। अब राज्यों को दर तय करनी है। मेरे पूर्ववर्ती (अरुण जेटली) की मंशा बहुत स्पष्ट थी, हम चाहते हैं कि पेट्रोल और डीजल जीएसटी में आएं।''

जीएसटी को जब एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया था, उसमें एक दर्जन से अधिक केंद्रीय और राज्य शुल्कों को शामिल किया गया था। हालांकि, यह फैसला किया गया कि पांच वस्तुओं - कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) पर जीएसटी कानून के तहत बाद में कर लगाया जाएगा।

सीतारमण ने कहा कि जीएसटी लागू करते समय केंद्र सरकार की मंशा थी कि कुछ समय बाद पेट्रोल और डीजल को जीएसटी में लाया जाए उन्होंने कहा, ''इसे जीएसटी में लाने का प्रावधान पहले ही किया जा चुका है।

नीट विवाद: बिहार पुलिस को एनटीए से संदर्भ प्रश्न पत्र मिले, आरोपियों का हो सकता है 'नार्को टेस्ट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ बिहार पुलिस ने इस मामले के सिलसिले में झारखंड के देवघर जिले से छह लोगों को हिरासत में लिया है।

पटना/देवघर/भाषा। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से नीट-यूजी 2024 के संदर्भ प्रश्न पत्र प्राप्त किए हैं, जिनकी पिछले महीने पटना में तलाशी के दौरान एक फ्लैट से बरामद किए गए कागजातों से तुलना की जाएगी। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि वह इस मामले में आरोपियों का ''नार्को टेस्ट'' और ''ब्रेन मैपिंग'' कराने की संभावना भी तलाश रही है।

सूत्रों ने बताया कि ईओयू के अधिकारियों ने शनिवार को दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और अन्य संबंधित शाखाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अपनी जांच से जुड़े मामले के कुछ तथ्यात्मक पहलुओं पर चर्चा की। बिहार पुलिस ने इस मामले के सिलसिले में झारखंड के देवघर जिले से छह लोगों को हिरासत में लिया है।

ईओयू के एक सूत्र ने बताया, हमने पिछले महीने जांच शुरू करने के बाद एनटीए से संदर्भ प्रश्नपत्र मांगे थे। आखिरकार उन्होंने कार्रवाई की। हम इन प्रश्नपत्रों का मिलान पिछले महीने पटना के एक फ्लैट से जब्त किए गए आंशिक रूप से जले हुए प्रश्नपत्रों से करेंगे। यह काम इन दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच से पहले किए जाने की संभावना है।

पुलिस मामले में गिरफ्तार सभी आरोपियों के कॉल रिकॉर्ड का भी विश्लेषण कर रही है और उसके आधार पर और लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा।

सूत्र ने कहा, अधिकारियों समेत कुछ ऐसे व्यक्तियों को भी स्पष्टीकरण के लिए बुलाया जाएगा, जो कुछ राजनेताओं से जुड़े हैं।

23-06-2024 सूर्यास्त	24-06-2024 सूर्योदय
6:38 बजे	5:44 बजे

BSE	NSE
77,209.90	23,501.10
(-269.03)	(-65.90)

सोना	चांदी
7,387 रु.	96,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हाजिर हो

जनप्रतिनिधि का दायित्व यही,
कर्तव्यों पर वे रहे स्थित।
बहुमूल्य वोट देकर उनको,
हमने चाहा जन-जन का हित।
संसद है पूजा स्थल उनका,
जब खुले रहे तब हाजिर नित।
वर्ना पूछेगी जनता अब,
क्यों रहे सदन से अनुपस्थित।।

लोकसभा के पहले सत्र से पहले 'प्रोटेम स्पीकर' के मुद्दे पर सरकार, विपक्ष आमने-सामने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ राष्ट्रपति ने सांसद भर्तृहरि महताब को लोकसभा का 'प्रोटेम स्पीकर' नियुक्त किया है।

■ कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि सरकार ने प्रक्रियाओं और परंपराओं का उल्लंघन किया है और आठ बार के सांसद सुरेश के 'प्रोटेम स्पीकर' के पद पर दावे की अनदेखी की है।

नई दिल्ली/भाषा। अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के बीच 'प्रोटेम स्पीकर' (अस्थायी अध्यक्ष) के मुद्दे पर तकरार तेज हो गई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कांग्रेस पर झूठ का सहारा लेने का आरोप लगाया, वहीं विपक्षी दलों ने अध्यक्षों की सूची में शामिल होने से इंकार करने की चेतावनी दी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और सात बार के सांसद भर्तृहरि महताब को लोकसभा का 'प्रोटेम स्पीक'र नियुक्त किया है, जिन्हें निचले सदन के नव-निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाने और अध्यक्ष के चुनाव तक कर्तव्य निवर्हन का काम सौंपा गया है। राष्ट्रपति ने लोकसभा के पांच वरिष्ठ सदस्यों -के सुरेश (कांग्रेस), टी आर बालू (द्रविड मुनेत्र कषगम), राधा मोहन सिंह और फग्गन सिंह कुलस्ते (दोनों भाजपा) और सुदीप बंदोपाध्याय (तृणमूल कांग्रेस) को भी नामित किया था, जो 24 जून से शुरु हो रहे लोकसभा सत्र के पहले तीन दिन में होने वाली प्रक्रिया में महताब की सहायता करेंगे।

कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि सरकार ने प्रक्रियाओं और परंपराओं का उल्लंघन किया है और आठ बार के सांसद सुरेश के 'प्रोटेम स्पीकर' के पद पर दावे की अनदेखी की है, जिसे रीजीजू ने ''भ्रामक'' बताकर खारिज कर दिया। विपक्षी दलों के सूत्रों ने शनिवार को कहा कि सुरेश, बालू और बंदोपाध्याय लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाने में 'प्रोटेम स्पीकर' महताब की सहायता करने के लिए अध्यक्षों की सूची में शामिल नहीं हो सकते हैं।

असम में बाढ़ से 3.9 लाख से अधिक लोग अब भी प्रभावित

गुवाहाटी/भाषा। असम में 3.90 लाख से अधिक लोगों का बाढ़ की विभीषिका से जूझना जारी है और राज्य के समग्र हालात अब भी गंभीर हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी उन्होंने बताया कि हालांकि राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश कम होने से बाढ़ की स्थिति में मामूली सुधार हुआ है, लेकिन 19 जिले अब भी बाढ़ की चपेट में हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष बाढ़, भूस्खलन और आंधी से मरने वालों की संख्या 37 पर पहुंच गई है, जबकि एक व्यक्ति लापता है। शुक्रवार शाम तक कुल 3,90,491 लोग प्रभावित थे। बाढ़ प्रभावितों की संख्या बृहस्पतिवार को 4.09 लाख तक पहुंच गई थी।

तटीय कर्नाटक में भारी बारिश एवं तेज हवाओं का 'रेड अलर्ट'

मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के तटीय और दक्षिणी जिलों में अनेक स्थानों पर अगले पांच दिनों के दौरान तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अनुमान है जिसके मद्देनजर मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गयी है और 'रेड एलर्ट' जारी किया गया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार को यह चेतावनी जारी की।

मौसम विभाग ने बताया है कि राज्य के तटवर्ती दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में भारी बारिश होने की आशंका है। इस बीच, स्थानीय प्रशासन ने बताया है कि इन जिलों में अनेक स्थानों पर सड़कों पर पानी भरने से आवागमन बाधित हुआ है।

इसके अलावा दक्षिणी कर्नाटक के कोडागु, शिवमोग्गा, चिकमंगलूर और हसन जिलों में भी लगभग एक सप्ताह से भारी बारिश हो रही है। कई नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। कोडागु जिले में भूस्खलन के कारण कई सड़कें बंद हैं।

सहज स्मृति योग

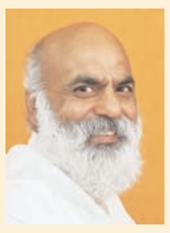

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, क्या भारत बिना सामरिक रूप से वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ हुए, केवल आर्थिक महाशक्ति बनकर भी विश्व-गुरु के स्थान पर प्रतिष्ठित हो सकता है ?

उत्तर: इतिहास बताता है कि किसी भी देश के महाशक्ति होने के लिए उसकी आर्थिक और सामरिक दोनों व्यवस्थाओं का मज़बूत होना ज़रूरी है। हालाँकि, अपनी मज़बूत वाणिज्य-व्यापार व्यवस्था व नीति के आधार पर भी कुछ देश शक्ति सम्पन्न हुए हैं और व्यवस्थाएँ चाहे किसी भी क्षेत्र की हों, उनका श्रेष्ठ होना तो उस देश की शिक्षा या ज्ञान के श्रेष्ठ और शोधपरक होने पर ही आश्रित होता है। सत्य शिक्षा से ही दृढ़ चरित्र का निर्माण होता है और गुरुत्व के स्थायित्व के लिए चरित्र आवश्यक है। यदि विश्वगुरु होने से आपका आशय यह है कि किसी देश का व्यवहार और चरित्र ऐसा है कि अन्य देशों का उस पर भरोसा बढ़े और उन्हें लगे कि बिना पर्यावरण को क्षति पहुँचाए और विकास की गति को बाधित किए बिना, संपूर्ण मानवता को साथ लेकर चलने की स्पष्ट दृष्टि और दिशा वह देश न्याय पूर्वक अपने व्यवहार उत्तरदायित्व पूर्वक निभा रहा है तो वर्तमान समय में भारत ऐसा देश है। और सुदूर पूर्व में भी हम ऐसे ही देश रहे हैं। इस अर्थ में भारत विश्वगुरु या विश्वबंधु है ही, इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। हरेक भारतवासी को अपने इसी कथानक को मजबूती के साथ बयान भी करना चाहिए, तब ही वह प्रतिष्ठा स्थाई होगी जिसकी ओर आपका संकेत है।

आदर्श कॉलेज में रोजगार मेला 1 जुलाई को

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित सीतादेवी रतनचन्द नाहर आदर्श कॉलेज में प्लेसमेंट एवं कैरियर गाइडेंस सेल द्वारा मेगा जॉब फेयर 2024 का आयोजन एक जुलाई को सुबह 9.30 बजे से आदर्श कॉलेज के प्रांगण में किया जा रहा है। यह रोजगार मेला हेड हेल्ड हाई के सहयोग से किया जा रहा है। इस मेले में भाग लेने के लिए कोई पंजीकरण आवश्यक नहीं है।

वारंटी के बारे में ग्राहकों को स्पष्ट रूप से बताएं: सीसीपीए ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण निर्माताओं से कहा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की मुख्य आयुक्त निधि खरे ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण निर्माताओं से कहा है कि वे वारंटी अवधि की शुरुआत की तारीख के बारे में ग्राहकों को स्पष्ट रूप से बताएं और उनकी शिकायतों का तुरंत समाधान भी करें।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक सीसीपीए ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियों के साथ एक बैठक की। इसमें खरीद की तारीख के बजाय, उपकरण का इस्तेमाल शुरू करने की तारीख से वारंटी अवधि शुरू करने के मुद्दे पर चर्चा की गई। सीसीपीए ने कहा, ''चूंकि निर्माताओं की नीतियों के अनुसार वारंटी अवधि खरीद की तारीख से शुरू होती है, न कि इस्तेमाल शुरू करने की तारीख से, इसलिए वारंटी अवधि कम हो जाती है।'' बैठक की अध्यक्षता सीसीपीए की मुख्य आयुक्त निधि खरे ने की। इसमें रिलायंस रिटेल, एलजी, पैनासोनिक, हायर, क्रोमा और बॉश सहित प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक उपकरण कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। खरे ने कहा कि उपभोक्ताओं को वारंटी शुरू होने के बारे में स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि उपभोक्ता को उत्पाद खरीदने के बाद वारंटी के बारे में पता चले उन्होंने साथ ही कहा कि कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं का पालन किया जाए।

शाह ने आव्रजन प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए विशेष कार्यक्रम की शुरूआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को एक विशेष कार्यक्रम की शुरूआत की, जिसके तहत भारतीय नागरिकों और 'ओसीआई' कार्ड धारकों की आव्रजन प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि 'फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन-ट्रस्टेड ट्रेवलर प्रोगाम' (एफटीआई-टीटीपी) सरकार की एक दूरदर्शी पहल है जिसे भारतीय नागरिकों और ओसीआई (ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया) कार्ड धारकों के लिए तैयार किया गया है।

पात्र व्यक्तियों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा और आवेदन पत्र में निर्दिष्ट अन्य आवश्यक जानकारी के साथ-साथ अपना बायोमेट्रिक्स (उंगलियों के निशान आदि) देना होगा उन्होंने कहा कि एफटीआई पंजीकरण अधिकतम पांच वर्ष या पासपोर्ट की वैधता की अवधि तक, जो भी पहले हो, वैध होगा। अधिकारी ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी करने के लिए 'बायोमेट्रिक्स' अनिवार्य है। अन्य अधिकारी ने बताया कि आवेदन को अस्वीकार होने से बचाने के लिए आवेदक को अपना वर्तमान आवासीय पता बताना होगा उन्होंने कहा कि एफटीआई-टीटीपी का उद्देश्य लोगों की यात्रा को सुगम करना तथा उसे अधिक तीव्र, आसान और सुरक्षित बनाना है।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, महावीर मेहता व सचिव रविन्द्र बम्बोली ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया से मुलाकात कर उन्हें 16 जुलाई से शुरू होने वाले ट्रेड फेयर में आने के लिए आमंत्रित किया।

जम्मू-कश्मीर: दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में आईटीबीपी के तीन जवान समेत 26 लोग घायल

बनिहाल/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के जम्मू और रामबन जिलों में शनिवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के तीन जवानों सहित कम से कम 26 लोग घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि एक निजी ट्रक आईटीबीपी कर्मियों को लेकर कश्मीर जा रहा था। यह ट्रक जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन जिले के खारपोरा गांव में सड़क से फिसलकर खाई में गिर गया। हादसे में तीन जवान और एक असैन्य चालक घायल हो गया। उन्होंने बताया कि घायलों को इलाज के लिए बनिहाल अस्पताल ले जाया गया है।

केंद्र ने राज्यों का समर्थन करते हुए समय पर कर हस्तांतरण, जीएसटी मुआवजा बकाया दिया: सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने राज्यों को प्रोत्साहित करने के लिए समय पर कर हस्तांतरण और जीएसटी मुआवजा बकाया चुकाया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को यह बात कही।

राज्यों के वित्त मंत्रियों के साथ बजट पूर्व बैठक में सीतारमण ने उनसे उस योजना का लाभ उठाने के लिए भी कहा, जिसके तहत केंद्र राज्यों को तयशुदा सुधार करने के लिए 50 साल का ब्याज मुक्त ऋण देता है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने वृद्धि को प्रोत्साहन देने के लिए समय पर कर हस्तांतरण, वित्त आयोग अनुदान और जीएसटी मुआवजे के बकाया के जरिए राज्यों को केंद्र सरकार के समर्थन को रेखांकित किया। सीतारमण ने पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना का उल्लेख भी किया। ज्यादातर राज्यों ने केंद्र की 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना' की सराहना की और आगे सुधार के लिए कुछ सुझाव दिए। बयान में कहा गया कि प्रतिभागियों ने केंद्रीय वित्त मंत्री को वित्त वर्ष 2024-25 के आम बजट के लिए कई सुझाव भी दिए। राजस्थान की वित्त मंत्री और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी), जल जीवन मिशन (जेजेएम), कुछ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं और रेलवे लाइनों के लिए आवंटन में बढ़ोतरी की मांग की। कर्नाटक के वित्त मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने ऊपरी भद्रा जल परियोजना के लिए पहले से घोषित सहायता में से 5,300 करोड़ रुपये जारी करने और इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की मांग की उन्होंने उपकर और अधिभार को विभाज्य पूल में शामिल करने की भी मांग की ताकि राज्यों को केंद्रीय करों में उनका उचित हिस्सा मिल सके।

भाजपा ने बिलासपुर में निकाली विशाल रैली, सुक्खू सरकार पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर (हिप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई ने एक स्थानीय अदालत के बाहर उसके एक कार्यकर्ता को गोली मारे जाने की घटना के विरोध में शनिवार को यहां एक विशाल रैली निकाली।

एक पूर्व विधायक पर हमले में कथित रूप से शामिल एक व्यक्ति को बृहस्पतिवार को बिलासपुर स्थित एक अदालत परिसर में गोली मार दी गई। मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों ने सौरभ पटियाल पर गोलियां चलाई थीं। पटियाल उन 13 लोगों में शामिल है, जो कांग्रेस नेता बम्बर ठाकुर पर कथित हमले को लेकर मुकदमे का सामना कर रहे हैं। बिलासपुर के पूर्व विधायक पर इस वर्ष 23 फरवरी को कथित तौर पर हमला हुआ था।

रैली को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल ने कांग्रेस सरकार पर माफिया, हत्यारों और मादक पदार्थ तस्करों को कथित तौर पर शरण देने का आरोप लगाया। बिंदल ने कहा कि राज्य के सभी जिलों में कानून-व्यवस्था हाथ से निकल गई है और सिरमौर, सोलन, कांगड़ा और नालागढ़ में अब तक 300 से अधिक हत्या और 2000 से अधिक नशीले पदार्थ के मामले सामने आए हैं। भाजपा नेता ने कहा कि स्थानीय अदालत में गोलियां चलाई जा रही हैं और जनता असुरक्षित महसूस कर रही है, लेकिन मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया है और ऐसी परिस्थितियों में इस सरकार को सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि देवभूमि हिमाचल के लोगों ने कभी सोचा भी नहीं था कि ऐसा कुछ होगा उन्होंने कहा, हमने दिल्ली और उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं सुनी हैं, लेकिन अब हिमाचल प्रदेश में भी ऐसी घटनाएं देखने को मिल रही हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

आंध्र प्रदेश की जनता ने राजग को राज्य को सही दिशा में ले जाने की जिम्मेदारी सौंपी: नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि राज्य की जनता ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को राज्य को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दी है। उन्होंने उन प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला जिन पर राज्य सरकार अगले पांच वर्षों में ध्यान केंद्रित करेगी।

नायडू ने 16वीं विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''राजधानी शहर की स्थापना, पोलावरम परियोजना को पूरा करना, नदियों को आपस में जोड़ना, निवेश आकर्षित करना कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन पर सरकार को अगले पांच सालों में अधिक ध्यान देने की जरूरत है।'' पिछली वाईएसआरसीपी सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि उसने सदन को अशिष्ट सभा में बदल दिया था उन्होंने दावा किया, पिछले पांच वर्षों में पवित्र विधानसभा को गंदी राजनीति, व्यक्तिगत हमलों, चरित्र हनन का मंच बना दिया गया... वहां गालियां दी गईं, मजाक उड़ाया गया, बोलने के लिए माइक (माइक्रोफोन) न देकर लोगों का मुंह बंद कर दिया गया... कई समस्याएं थीं उन्होंने वाईएसआरसीपी विधायकों द्वारा उनके परिवार के खिलाफ की गईं कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों को याद किया और बताया कि कैसे उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में ही सदन में लौटने का संकल्प लिया था।

नायडू ने उनका सम्मान बचाने के लिए जनता का आभार जताया और सदन को सम्मानजनक तरीके से चलाने का वादा किया।

भारत के सार्वजनिक उपक्रम विकास और वृद्धि के इंजन हैं: जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि देश के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) वैश्विक मानदंडों पर खरे उतरे हैं उन्होंने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, भारत आज अधिकांश वैश्विक मानदंडों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। कुछ क्षेत्रों में यह अन्य बड़े देशों के बराबर है, जबकि अन्य क्षेत्रों में यह उनसे काफी आगे है। कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने भारतीय अर्थव्यवस्था में निरंतर योगदान देने तथा वृद्धि एवं विकास का इंजन बनने के लिए पीएसयू की प्रशंसा की उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था का उत्थान पीएसयू के योगदान के कारण संभव हुआ है। ये वैश्विक मानदंडों और मानकों पर खरे उतरे हैं। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में सिंह के हवाले से कहा गया, उनके (पीएसयू) अद्वितीय प्रयासों के कारण ही भारत वैश्विक नवाचार सूचकांक में ऊपर आया है। आज, यह दुनिया भर में 40वें स्थान पर है, जो कई समान आकार की अर्थव्यवस्थाओं से आगे है, जबकि 2014 में यह 81वें स्थान पर था।

गडकरी ने उद्योगों से कार्यबल बढ़ाने के लिए कौशल विकास संस्थान स्थापित करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को उद्योगों से कौशल विकास संस्थान शुरू करने का आग्रह किया, ताकि कुशल कार्यबल तैयार किया जा सके।

नागपुर में 'सीआईआई-इंडस्ट्री एकेडमिया कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए गडकरी ने कुशल जनशक्ति विकसित करने के लिए उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया उन्होंने कहा, छात्रों के कौशल विकास और जनशक्ति बढ़ाने के लिए उद्योग और शिक्षा जगत के बीच समन्वय आवश्यक है।

गडकरी ने सुझाव दिया कि उद्योगों को धीरे-धीरे अपने कौशल विकास केंद्र के साथ ही इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थापित करने चाहिए, ताकि छात्रों को ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव दोनों प्रदान किए जा सकें और वे अधिक कुशल बन सकें उन्होंने उद्योगों में कुशल जनशक्ति की कमी की बात स्वीकार की, जबकि शिक्षित व्यक्ति बेरोजगार बने हुए हैं। उन्होंने इसका कारण शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग के बीच समन्वय और संचार की कमी को बताया। गडकरी ने कहा, मेरा मानना है कि धीरे-धीरे उद्योगों को अपने कौशल विकास केंद्र, इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने चाहिए, जिससे छात्रों को ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी मिलेगा और वे अधिक कुशल बनेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि प्रत्येक उद्योग को अपनी जरूरतों के अनुसार जनशक्ति को प्रशिक्षित करना चाहिए। उन्होंने उद्योग से कौशल विकास के लिए मानद और निजी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करने की अपील की।

जीएसटी परिषद ने विभिन्न कानूनी मंचों के समक्ष अपील दायर करने के लिए मौद्रिक सीमा तय की

नई दिल्ली/भाषा। सरकारी मुकदमों को कम करने के लिए जीएसटी परिषद ने विभिन्न अपीलीय प्राधिकरणों के समक्ष कर विभाग द्वारा अपील दायर करने के लिए एक मौद्रिक सीमा तय की है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को यह जानकारी दी उन्होंने यहां आयोजित जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक के बाद कहा कि जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण के लिए 20 लाख रुपये, उच्च न्यायालय के लिए एक करोड़ रुपये और सर्वोच्च न्यायालय के लिए दो करोड़ रुपये की मौद्रिक सीमा तय करने की सिफारिश की है। यदि मौद्रिक सीमा, जीएसटी परिषद द्वारा तय सीमा से कम है, तो कर प्राधिकरण आमतौर पर अपील नहीं करेगा उन्होंने कहा कि परिषद ने यह भी सिफारिश की है कि अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करने के लिए पूर्व जमा की अधिकतम राशि सीजीएसटी और एसजीएसटी के लिए 25 करोड़ रुपये से घटाकर 20 करोड़ रुपये की जाए। वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि भारतीय रेलवे की प्लेटफॉर्म टिकट, विश्राम कक्ष और प्रतीक्षालय जैसी सुविधाएं जीएसटी से मुक्त हैं।

शिवराज सिंह चौहान के बेटे के बयान पर कांग्रेस ने चुटकी ली

भोपाल/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद ''पूरी दिल्ली उनके पिता के सामने नतमस्तक है।''

चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह ने शुक्रवार को सीहोर जिले के बुधनी विधानसभा क्षेत्र के भेरुंडा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बयान दिया। अलग-अलग दलों के नेता कार्तिकेय के बयान का वीडियो साझा कर रहे हैं। चौहान ने लोकसभा चुनाव में राज्य के विदिशा निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की है। कार्तिकेय के बयान पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने तंज कसते हुए कहा कि इसका मतलब है कि दिल्ली डरी हुई है और पार्टी के अंदर असंतोष का डर है। संबोधन में कार्तिकेय ने कहा बुधनी विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने संदेश देकर शानदार काम किया है उन्होंने कहा, मैं दिल्ली में रहने के बाद हाल में ही लौटा हूं।

'इंडिया' बेहतर प्रदर्शन कर सकता था, लेकिन सीट बंटवारे पर बातचीत में अधिक समय लगा दिया : भट्टाचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा है कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन बेहतर प्रदर्शन कर सकता था, लेकिन सीट बंटवारे के समझौते तक पहुंचने में शायद अधिक समय लगा दिया गया।

'पीटीआई' मुख्यालय में एजेंसी के शीर्ष संपादकों के साथ एक साक्षात्कार में, भाकपा (माले) लिबरेशन के नेता ने यह भी कहा कि किसान आंदोलन, युवा और नागरिक समाज के आंदोलन जैसे जन आंदोलनों के साथ-साथ ''डिजिटल योद्धाओं'' ने चुनाव में विपक्षी खेमे के प्रयासों को बल दिया।

भट्टाचार्य की पार्टी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि 30-40 सीट पर जीत का अंतर बहुत कम था। उन्होंने कहा, ''मैं इस बात को पूरी तरह से खारिज नहीं कर सकता कि इसमें (मतदान परिणामों में) कुछ भी अनुचित नहीं रहा, लेकिन इतना कहने के बावजूद मुझे लगता है कि कुछ ऐसे राज्य थे जहां हम बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे।''

उन्होंने कहा, ''उदाहरण के लिए बिहार...यदि हम उत्तर प्रदेश के बराबर प्रदर्शन कर पाते तो चीजें अलग होतीं। शायद, कर्नाटक में भी, जहां कांग्रेस सत्ता में है। वे शायद थोड़ा बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे।'' पिछले साल हुए मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि उन चुनावों में साथ मिलकर नहीं लड़ने से विपक्षी गठबंधन की गति धीमी हो गई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इन तीनों राज्यों में चुनाव जीता। उन्होंने कहा इन तीनों विधानसभा चुनावों में 'इंडिया' गठबंधन की कोई तस्वीर नहीं थी और नतीजे हमारे पक्ष में नहीं आए। भट्टाचार्य ने कहा, ''हमने वहां बहुत गति खो दी। इस साल की शुरुआत में ही हमने कुछ गति पकड़नी शुरू की। इसलिए गति का खो जाना फिर से एक और महत्वपूर्ण बात है। आप इसकी भरपाई नहीं कर सकते।'' उन्होंने यह भी कहा कि गठबंधन ने सीट-बंटवारे की बातचीत में बहुत अधिक समय लगा लिया।

आरक्षण मुद्दा : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे ने जातिगत तनाव नहीं फैलने देने का संकल्प जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नासिक/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि समाज में जातिगत तनाव नहीं फैले। यह बात उन्होंने मराठाओं और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) द्वारा आरक्षण पर अपने रुख को मजबूत करने की पृष्ठभूमि में कही। शिंदे ने ओबीसी कार्यकर्ता लक्ष्मण हाके और अन्य को सरकारी हस्तक्षेप के बाद अनिश्चितकालीन अनशन वापस लेने के लिए धन्यवाद दिया। शिंदे ने नासिक में संवाददाताओं से कहा, ''हम यह सुनिश्चित करेंगे कि समाज में कोई जातिगत तनाव नहीं फैले।''

ओबीसी कोटा कम न किए जाने की मांग को लेकर कार्यकर्ता हाके और नवनाथ वाघमारे 13 जून से अनशन पर थे। शनिवार को सरकारी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद उन्होंने अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी। मुंबई में शुक्रवार को ओबीसी नेताओं की बैठक की अध्यक्षता करने वाले शिंदे ने कहा कि 27 जून से शुरू हो रहे मानसून सत्र के पहले सप्ताह में एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाएगी उन्होंने कहा, ''कल इस मुद्दे पर अच्छी चर्चा हुई थी।'' आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने मांग की है कि सभी मराठाओं को ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण मिले जबकि ओबीसी नेता इस मांग का विरोध कर रहे हैं। इस बीच, कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने शनिवार को आरोप लगाया कि भाजपा आरक्षण के मुद्दे पर मराठा समुदाय और अन्य पिछड़ा वर्ग को धोखा दे रही है। पुणे में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पटोले ने दावा किया कि आरक्षण के मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले का रुख अलग-अलग है।

विधानसभा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शनिवार को कल्लाकुरिची नकली शराब की घटना के संबंध में विधानसभा में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन अपनी बात रखते हुए।

मीटिंग — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

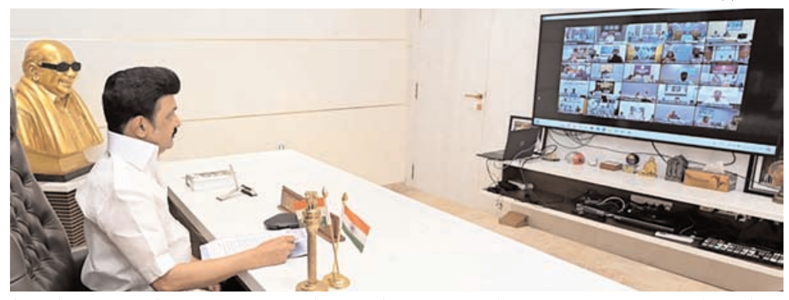

चेन्नई में शनिवार को नकली शराब की रोकथाम के लिए की जाने वाली कार्रवाई पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला कलेक्टरों और जिला पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन।

तमिलनाडु विस में लगातार दूसरे दिन भी जहरीली शराब कांड की गूंज, सीबीआई जांच से सरकार का इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी जहरीली शराब कांड की गूंज सुनाई दी, जिसमें अब तक 53 लोगों की जान जा चुकी है। इस मामले को लेकर मुख्य विपक्षी दल ऑल इंडिया अन्नाद्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने सदन से बहिर्गमन किया। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने इस घटना पर ''राजनीति करने'' के लिए विपक्षी दल पर निशाना साधा और मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग भी यह कहते हुए खारिज कर दी कि सरकार पारदर्शी है।

कानून मंत्री एस. रघुपति ने कहा, सरकार पारदर्शी है। हमने कुछ भी नहीं छिपाया है, (इसलिए) सीबीआई जांच की जरूरत नहीं है। सदन की कार्यवाही जैसे ही शुरू हुई, नेता प्रतिपक्ष ई. के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में अन्नाद्रमुक विधायकों ने प्रश्नकाल स्थगित करने की मांग की और कल्लाकुरिची मुद्दा उठाने की अनुमति देने का अध्यक्ष से आग्रह किया। विधानसभा अध्यक्ष एम. अप्पावु ने कहा कि प्रश्नकाल स्थगित नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि सदस्यों को यह मामला उठाने के लिए शून्यकाल के दौरान पर्याप्त समय दिया जाएगा। हालांकि, अन्नाद्रमुक के सदस्य अपनी मांग पर अड़े रहे और बाद में सदन से बहिर्गमन किया। सदन के बाहर संवाददाताओं से बातचीत में पलानीस्वामी ने कहा कि उनकी पार्टी को लगातार दूसरे दिन भी कल्लाकुरिची मुद्दा उठाने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने दावा किया, हमें जानकारी है कि इलाज कराने वाले 183 लोगों में से 55 की मौत हो गई है और हर दिन मौतों का आंकड़ा बढ़ रहा है।

पलानीस्वामी ने कहा कि अगर सरकार ने तुरंत कार्रवाई की होती तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री एमए सुब्रमण्यम के उस कथित बयान का भी हवाला दिया, जिसमें उन्होंने (मंत्री ने) कहा था कि मौतों का एक कारण प्रभावित लोगों द्वारा इलाज कराने में की गई देरी है। पलानीस्वामी ने आरोप लगाया, वह जो कह रहे हैं, वह सरासर झूठ है, यह सरकार की अक्षमता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि देरी के लिए सरकार जिम्मेदार है क्योंकि पूर्व कलेक्टर ने खुद ही शुरू में दावा किया था कि मौतें अवैध शराब के कारण नहीं हुई हैं, इसलिए लोगों का मानना था कि अवैध शराब का कोई मुद्दा नहीं था और साथ ही, लोगों की मौत पर शोक व्यक्त करने के लिए इलाके में आए कई लोगों ने नकली शराब पी ली। पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गठित एक-सदस्यीय आयोग की जांच से सच्चाई सामने नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि गरीब लोगों को न्याय दिलाने के लिए सरकार को सीबीआई जांच का आदेश देना चाहिए और इसीलिए अन्नाद्रमुक ने मद्रास उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

कानून मंत्री रघुपति ने कल्लाकुरिची में हुईं मौतों को दुखद बताते हुए संवाददाताओं से कहा कि अन्नाद्रमुक हाल ही में हुए संसदीय चुनाव में सभी 40 लोकसभा क्षेत्रों (तमिलनाडु में 39 और पुडुचेरी में एक) में मिली हार से परेशान है और इसीलिए समस्या पैदा करने का प्रयास कर रही है। इससे पहले, अध्यक्ष अप्पावु ने कहा कि शून्यकाल के दौरान मुद्दों को उठाने का अवसर दिया जाता है और विपक्ष के सदस्यों को सभ्य तरीके से पेश आना चाहिए। उन्होंने कहा कि पलानीस्वामी खुद मुख्यमंत्री रह चुके हैं और किसी भी समय कोई भी मुद्दा उठाने की स्थिति में आना स्वीकार्य नहीं है।

तमिलनाडु में अवैध देशी शराब पीने से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 53 हुई

कल्लाकुरिचि। तमिलनाडु के कल्लाकुरिचि जिले में अवैध देशी शराब पीने से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या शनिवार को बढ़ कर 53 हो गई। प्रशासन ने यह जानकारी दी। प्रशासन ने बताया कि अवैध देशी शराब पीने से बीमार हुए 140 लोगों की हालत अभी स्थिर है। कल्लाकुरिचि के जिलाधिकारी एम.एस प्रशांत ने बताया कि जिले में मंगलवार रात अवैध देशी शराब पीने से 193 लोग बीमार पड़ गए और उन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया, हालांकि उनमें से 140 लोगों की हालत अभी स्थिर है। उन्होंने सदर अस्पताल में पीड़ितों से मिलने के बाद कहा, ''जहरीली शराब पीने से अब तक 53 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि इस घटना के सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है।''

तमिलनाडु जहरीली शराब त्रासदी के दोषियों को बचा रही है द्रमुक : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तमिलनाडु में हाल ही में हुई जहरीली शराब त्रासदी को लेकर राज्य के मद्यनिषेध एवं आबकारी मंत्री एस मुथुसामी के तत्काल इस्तीफे की शनिवार को मांग की और राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) पर दोषियों को बचाने का आरोप लगाया।

भाजपा ने इस घटना की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की भी मांग की है। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत हो गई, जबकि कई का स्थानीय अस्पतालों में उपचार किया जा रहा है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए इन मौतों को राज्य प्रायोजित हत्या करार दिया और दक्षिणी राज्य में इस त्रासदी के लिए सत्तारूढ़ द्रमुक को पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराया। पूनावाला ने कहा, अब तक 53 लोगों की मौत हो चुकी है और उनमें से अधिकांश अनुसूचित जाति के थे। इस राज्य प्रायोजित हत्या पर कार्रवाई करने के बजाय द्रमुक इस जघन्य अपराध के खलनायकों को बचाने में लगी हुई है। राज्य में पहले भी हुई ऐसी ही घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि शराब माफिया और द्रमुक नेताओं के बीच सांठगांठ है और उन्होंने इसकी सीबीआई जांच की मांग की।

पूनावाला ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) को घटना का स्वत: संज्ञान लेना चाहिए और तमिलनाडु सरकार तथा राज्य पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी करके पूछना चाहिए कि इन मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है।

उन्होंने कहा, ''भाजपा इस घटना की निष्पक्ष जांच के लिए तमिलनाडु के मद्य निषेध एवं आबकारी मंत्री मुथुसामी के तत्काल इस्तीफे की मांग करती है।'' उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन इस मामले की जांच सीबीआई को क्यों नहीं सौंप रहे हैं। पूनावाला ने इस मुद्दे पर कांग्रेस और इंडिया' गठबंधन के अन्य घटकों की 'चुप्पी' को लेकर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा, (कांग्रेस नेता) राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं कहा है, जिन्होंने (लोकसभा) चुनाव के दौरान दलितों और दक्षिण भारत के बारे में अनगिनत बार बात की थी। इसका मतलब है कि दक्षिण भारत और अनुसूचित जाति के लोगों के लिए उनकी चिंता दिखावटी है।

भाजपा के एक अन्य प्रवक्ता अनिल एंटनी ने भी द्रमुक और 'इंडि' गठबंधन पर जहरीली शराब त्रासदी को लेकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि तमिलनाडु सरकार की प्रतिक्रिया और कार्रवाई सुस्त है तथा इससे राज्य सरकार और शराब माफिया के बीच स्पष्ट मिलीभगत का संकेत मिलता है।

अमृता ग्रुप ने अपना आठवां दीक्षांत समारोह मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के अमृता एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ने अपना 8वां दीक्षांत समारोह होटल रेडिसन ब्लू, एग्मोर में मनाया। यह समारोह 250 स्नातक छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, जिन्होंने ओयूएम विश्वविद्यालय मलेशिया से अपने व्यावसायिक डिप्लोमा और प्रबंधन डिप्लोमा प्रमाणपत्र प्राप्त किए। चेन्नई के अमृता इंस्टीट्यूट ने विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए 2012 से ओयूएम विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी की है और आतिथ्य में 10000 से अधिक छात्रों को सफलतापूर्वक स्नातक किया है और उन्हें विश्व स्तर पर रखा है।

ओयूएम विश्वविद्यालय के अध्यक्ष, वाईबीएचजी प्रोफेसर डॉ. अहमद इसानी अवांग ने चेंगलपट्टू, हैदराबाद और बेंगलूरु शाखाओं में डिग्री कार्यक्रम करने वाले छात्रों को डिप्लोमा प्रदान किए। अपने संबोधन में, उन्होंने चेन्नई की अमृता की शैक्षणिक उत्कृष्टता और छात्रों के समग्र विकास में संस्थान की भूमिका की प्रशंसा करते हुए, भविष्य के आतिथ्य नेताओं को आकार देने में शिक्षा की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को अपनी प्रतिभा का उपयोग समाज कल्याण के लिए करने के लिए प्रोत्साहित किया।

चेन्नई अमृता समूह के अध्यक्ष श्री आर. भूमिनाथन ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा, हमें अपने स्नातक छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व है। चेन्नई की अमृता की प्रतिभा को निखारने और आतिथ्य उद्योग में भविष्य के नेताओं को तैयार करने की प्रतिबद्धता जारी रहेगी। उन्होंने छात्रों से कंपनी के नवाचार, करुणा और व्यावसायिकता मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया।

'पेटा इंडिया' ने केरल के एक मंदिर को यांत्रिक हाथी भेंट किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। पशु-अधिकार संगठन 'पीपुल फॉर एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स' (पेटा)-इंडिया ने अभिनेत्री अदा शर्मा के साथ शनिवार को यहां तिरुवनंतपुरम में पूर्णमिकावु मंदिर को हाथी के वास्तविक आकार का एक यांत्रिक हाथी भेंट किया। पेटा ने एक बयान में यह जानकारी दी।

पेटा ने बयान में कहा कि बलधासन नामक यांत्रिक हाथी को पूर्णमिकावु मंदिर को दान में दिया गया है, क्योंकि मंदिर ने कभी भी समारोहों और उत्सवों के लिए हाथियों को नहीं रखने या किराये पर नहीं लेने का निर्णय लिया है।

पेटा ने कहा कि यह यांत्रिक हाथी, केरल के मंदिर में लाया जाने वाला तीसरा हाथी है, जो लगभग तीन मीटर लंबा है और इसका वजन लगभग 800 किलोग्राम है।

इस अवसर पर अभिनेत्री अदा शर्मा ने कहा, प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति हमें अपनी गहरी सांस्कृतिक परंपराओं और विरासत को संरक्षित करने का अवसर देती है, साथ ही लुप्तप्राय हाथियों को जंगल में अपने परिवारों के साथ रहने की अनुमति देती है।

मुझे पेटा-इंडिया के साथ इस यांत्रिक हाथी का योगदान देकर बहुत खुशी हो रही है, जिससे श्रद्धालु पवित्र अनुष्ठानों में इस तरह से भाग ले सकेंगे, जो मनुष्यों के लिए सुरक्षित होने के साथ-साथ पशुओं के लिए भी सम्मानजनक होगा।

पूर्णमिकावु मंदिर के मुख्य कार्यदर्शी एम एस भुवनचंद्रन ने दान का स्वागत करते हुए कहा, इस पावन पूर्णिमा के अवसर पर, हम उन सभी दिव्य प्राणियों के सम्मान में यांत्रिक हाथी बलधासन को अपने साथ पाकर बहुत प्रसन्न हैं, जो अपने प्रियजनों के साथ पृथ्वी पर स्वतंत्र और सुरक्षित विचरण करने की लालसा रखते हैं।

पेटा इंडिया ने अपने बयान में आगे कहा कि हेरिटेज एनिमल टास्क फोर्स' द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, 15 वर्षों की अवधि में कैद करके रखे गए हाथियों ने केरल में 526 लोगों की जान ले ली।

यूडीएफ, भाजपा ने टी पी चंद्रशेखरन हत्याकांड के तीन दोषियों को सजा में छूट दिए जाने का विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोचि/तिरुवनंतपुरम। केरल में 2012 के सनसनीखेज टी. पी. चंद्रशेखरन हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा पाए 12 दोषियों में से तीन की सजा में केरल सरकार द्वारा कथित तौर पर छूट दिए जाने को लेकर राज्य में राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। कांग्रेस-नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस कदम के लिए वाम मोर्चा सरकार की आलोचना की है। कांग्रेस महासचिव एवं अलप्पुझा से सांसद के सी वेणुगोपाल ने कहा कि न केवल कांग्रेस, बल्कि पूरा राज्य वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के इस प्रयास का कड़ा विरोध करेगा। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी. डी. सतीशन ने कहा कि सरकार की ओर से यह एक अजीब फैसला है, क्योंकि दोषियों की सजा में छूट पर विचार करना उच्च न्यायालय के उस फैसले का उल्लंघन होगा, जिसमें उसे ऐसा करने से मना किया गया था। सतीशन ने आरोप लगाया कि यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि सरकार चंद्रशेखरन को 51 जगह जख्म देने वाले अपराधियों को बचाने की कोशिश कर रही है। सतीशन ने दावा किया कि सरकार ने दोषियों को कई बार पैरोल भी दिया है और उन लोगों को जेल में पांच सितारा सुविधाएं प्रदान की हैं तथा उन्हें जेल के भीतर से संदिग्ध वित्तीय लेनदेन करने में सक्षम बनाया है। उन्होंने आरोप लगाया, माकपा (मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी) एक ऐसी पार्टी बन गई है जो ऐसे अपराधियों को संरक्षण देती है जो कुछ भी करने में संकोच नहीं करते। वे अब भी अहंकारी हैं और उनका मानना है कि वे कुछ भी कर सकते हैं, क्योंकि उनके पास सत्ता है। सतीशन ने पूछा, उच्च न्यायालय ने जब सजा में छूट पर रोक लगा रखी है तो उन्हें या जेल अधीक्षक को दोषियों की सजा में छूट देने का क्या अधिकार है? विपक्षी नेता ने कहा कि लोकसभा चुनाव में बड़ा झटका लगने के बावजूद राज्य में सत्तारूढ़ माकपा गलतियां कर रही है और इससे सबक सीखने या खुद में सुधार करने को तैयार नहीं है।

कांग्रेस को कोडिकुनिल सुरेश को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाना चाहिए : भाजपा

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और कांग्रेस द्वारा लोकसभा के अस्थायी अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) की नियुक्ति के मुद्दे पर केंद्र सरकार की आलोचना किए जाने के एक दिन बाद भाजपा ने शनिवार को इस मुद्दे पर पलटवार किया और कहा कि कांग्रेस को कोडिकुनिल सुरेश को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाना चाहिए। विजयन और कांग्रेस दोनों ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि लोकसभा में सबसे वरिष्ठ सांसद सुरेश को अस्थायी अध्यक्ष नियुक्त नहीं करना संसदीय परंपराओं का उल्लंघन है। भाजपा की केरल ईकाई के अध्यक्ष के. सुरेन्द्रन ने इस आरोप पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस को सुरेश को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाना चाहिए। सुरेन्द्रन ने पोस्ट में देश की सबसे पुरानी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा, किसी भी हालत में सुरेश को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाया जाना चाहिए। उन्हें दो दिन के लिए अस्थायी अध्यक्ष नहीं बनाए जाने का विरोध कांग्रेस पार्टी को यह कदम उठाकर करना चाहिए। आठ बार सांसद रहे सुरेश ने शुक्रवार को कहा कि सबसे वरिष्ठ लोकसभा सदस्य होने के नाते परंपरा के अनुसार उन्हें लोकसभा का अस्थायी अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए। विपक्ष के नेता वी. डी. सतीशन और रमेश चेन्निथला सहित कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी यही बात दोहराई है।

घुटने की चोट का इलाज : सिंथेटिक लिगामेंट का उपयोग करने वाला तमिलनाडु का पहला अस्पताल बना रेला अस्पताल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के 23 वर्षीय सॉफ्टवेयर पेशेवर ई. मणिकंदन सिंथेटिक लिगामेंट प्राप्त करने वाले तमिलनाडु के पहले व्यक्ति बन गए हैं, क्योंकि तीन महीने पहले एक सड़क दुर्घटना में उन्हें लगी मल्टी-लिगामेंट घुटने की चोट के लिए रेला अस्पताल में उनकी आर्थोस्कोपी सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। सर्जनों ने दो क्रूसिएट लिगामेंट को फिर से बनाने के लिए कृत्रिम लिगामेंट का इस्तेमाल किया, जो घुटने के अंदर पाए जाते हैं। चरणबद्ध तरीके से, रेला अस्पताल के सर्जनों ने पहले रोगी के फ्रेक्चर वाले श्रोणि क्षेत्र को बाहरी फिक्सेशन के साथ स्थिर किया और घुटने में कुछ अन्य क्षतिग्रस्त स्नायुबंधन और नसों की मरम्मत की। तीन महीने के अंतराल के बाद, उन्होंने आज यूनाइटेड किंगडम से आयातित सिंथेटिक लिगामेंट्स का उपयोग करके एक घंटे की आर्थोस्कोपी प्रक्रिया की और दो क्रूसिएट लिगामेंट्स - अर्थात्, पूर्ववर्ती क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) और पोस्टीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (पीसीएल) का सफलतापूर्वक पुनर्निर्माण किया। यह उन्नत प्रक्रिया तमिलनाडु में जटिल घुटने की चोटों के उपचार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

एसीएल और पीसीएल घुटने के प्राथमिक स्नायुबंधन हैं। वे जांघ की हड्डियों को निचले पैर की हड्डियों से जोड़ते हैं। इनमें से दो या अधिक प्राथमिक स्नायुबंधन की चोटों को मल्टी-लिगामेंट घुटने की चोट कहा जाता है। ये चोटें अक्सर उच्च-ऊर्जा आघात से जुड़ी होती हैं, जैसे कि सड़क दुर्घटनाएँ या खेल संबंधी चोटें। मल्टी-लिगामेंट घुटने की चोटों वाले मरीजों को दीर्घकालिक रुग्णता का उच्च जोखिम होता है, जिसमें पुराना दर्द, अस्थिरता और बिगड़ी हुई गतिशीलता शामिल है।

रेला हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. इलानकुमारन कालियामूर्ति ने कहा, सर्जन पारंपरिक रूप से या तो ऑटोग्राफ्ट का उपयोग करते हैं, जिसमें रोगी के अपने शरीर के लिगामेंट्स को काटकर इस्तेमाल किया जाता है, या एलोग्राफ्ट, जिसमें शव या कटे हुए पैरों के लिगामेंट्स का इस्तेमाल किया जाता है। इन उपचार विधियों के कारण पुनर्वास अवधि लंबी हो सकती है और पूरी तरह ठीक नहीं हो सकता है, जिससे रोगी के जीवन की गुणवत्ता और काम या खेल में वापस लौटने की क्षमता प्रभावित होती है। हालांकि, सिंथेटिक लिगामेंट्स मल्टी लिगामेंट इंजरी वाले रोगियों के लिए वरदान साबित हुए हैं क्योंकि वे पारंपरिक तरीकों की कई कमियों को दूर करते हैं। आर्थोस्कोपी प्रक्रिया को रेला अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार आर्थोस्कोपी और स्पोर्ट्स मेडिसिन डॉ. प्रकाश अय्यादुरई और उनकी टीम ने डॉ. अशोक एस. गावस्कर, क्लिनिकल लीड - ऑर्थोपेडिक्स, हेड ऑफ जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्विसेज, रेला अस्पताल और डॉ. पार्थसारथी श्रीनिवासन, सीनियर कंसल्टेंट - ऑर्थोपेडिक्स, हेड - स्पाइन सर्जरी, रेला अस्पताल की मौजूदगी में अंजाम दिया। सर्जरी बिना किसी परेशानी के हुई और उम्मीद है कि मरीज को एक हफ्ते के भीतर अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी।

महिला शक्ति के हित में राज्य सरकार ने लिए कई ऐतिहासिक निर्णय : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि आधी आबादी के योगदान के बिना देश और प्रदेश सशक्त नहीं बन सकता इसलिए प्रदेश सरकार महिला शक्ति के उत्थान और चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य में तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं का आरक्षण बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने पर महिला शक्ति द्वारा अभिनन्दन और आभार समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को बराबर के अधिकार और अवसर मिलना आवश्यक है।

इस दौरान बड़ी संख्या में आई महिलाओं ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आभार जताया। शर्मा ने कहा कि महिला सशक्तीकरण आर्थिक स्वतंत्रता तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक क्षेत्र में भी महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने की बात करता है क्योंकि महिलाएं सशक्त होंगी तो वे परिवार और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से ही नारी शक्ति को आदर और सम्मान दिया जाता है। हम शक्ति के लिए मां दुर्गा, विद्या के लिए मां सरस्वती और धन के लिए मां लक्ष्मी की आराधना करते हैं। हमारे जीवन में भी मां, बहन, बेटी, पत्नी और अन्नपूर्णा के रूप में नारी का अहम स्थान है। शर्मा ने कहा कि हमारी बहन और बेटियां देश और प्रदेश की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं इसके लिए सरकार ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए आरक्षण 30 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने सहित कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। प्रदेश के 73 लाख परिवारों की महिलाओं को 450 रूपए में रसोई गैस सिलेण्डर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री मातृ वन्दन योजना के तहत गर्भवती और धात्री महिलाओं को दी जाने वाली राशि भी बढ़ाकर 6500 रूपए कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि 'लाडो प्रोत्साहन' योजना में गरीब परिवारों में बालिकाओं के जन्म पर एक लाख रूपए का सेविंग बॉन्ड देने, पंचायती राज, नगरीय निकाय तथा आंगनबाड़ी कर्मियों के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि करने के साथ ही साथिन कार्यकर्ताओं का मानदेय भी बढ़ाया गया है। शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में प्रदेश महिला अत्याचार के मामलों में अव्वल हो गया था। महिलाएं अपने आप को असुरक्षित महसूस करती थीं लेकिन हमारी सरकार ने महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 'एंटी रोमियो स्क्वाड' का गठन किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य के युवा चिंता ना करें, सरकार बेटियों के साथ ही उन्हें भी आगे बढ़ने के पूरे अवसर उपलब्ध कराएगी। आगामी दिनों में राज्य के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर चरणबद्ध तरीके से भर्ती परीक्षाएं आयोजित कर उन्हें भरा जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रदेश में स्थापित होने वाले उद्योगों में भी युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर मिलेंगे।

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि देश की आधी आबादी सशक्त और मजबूत बने इसलिए उन्होंने देश की तीन करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा है। 'सुकन्या समृद्धि' योजना के तहत 3.2 करोड़ खाते खोले जा चुके हैं। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर शौचालय का निर्माण कर महिलाओं को खुले में शौच से मुक्ति दी गई है और अब तो प्रधानमंत्री आवास योजना में भी आवास महिलाओं के नाम ही आवंटित किया जाता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने में महिला शक्ति की अहम भूमिका है।

राज्य सरकार विकसित राजस्थान और विकसित भारत के लिए नारी शक्ति के हित में निरंतर फैसले करती रहेगी। इस दौरान बालिका पूजा पुरी गोस्वामी ने मुख्यमंत्री को वुड बर्न आर्ट से बनाया हुआ चित्र भेंट किया। समारोह में आई महिलाओं और बालिकाओं ने मुख्यमंत्री के साथ शेल्फी भी ली।

अलवर में तीन पैंथरों की मौत, बिजली लाइन की चपेट में आने से गई जान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान के अलवर के सरिस्का टाइगर रिजर्व में डेहरा क्षेत्र में तीन पैंथरों की मौत की सूचना के बाद हड़कंप मच गया। मृत तीनों पैंथर में से एक मादा और दो शावक हैं। सूचना पर शुक्रवार देर रात को वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मृत पैंथरों के शवों को अलवर वन मंडल के नया बास कार्यालय लाया गया, जहां शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। बता दें कि इसी क्षेत्र में करीब दो साल पहले एक मादा पैंथर और दो शावकों की मौत जहर देने के कारण हुई थी। वर्तमान में एसटी-18 व 2023 बाघों का मूवमेंट इसी क्षेत्र में है। दरअसल, अलवर शहर के समीप स्थित वन विभाग की लव कुश वाटिका के पास अमृतवास गांव के जंगल में दो शावक व एक मादा पैंथर की मौत की सूचना पर वनकर्मी मौके पर पहुंचे। वनकर्मियों को वहां 11 हजार केवी की लाइन टूटी मिली, जिसका करंट लगने से मादा पैंथर और दो शावक पैंथरों की मौत होने की बात कही गई। अलवर वन मंडल के डीएफओ राजेंद्र कुमार हुड्डा ने बताया कि डेहरा क्षेत्र के अमृतवास गांव में तीनों पैंथर की मौत बिजली की लाइन टूटकर करंट लगने से हुई है।

उन्होंने बताया कि पैंथर टूटी हुई लाइन के संपर्क में आ गए, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद तुरंत बिजली की लाइन शिफ्ट कर दी गई। यह रक्षित वन क्षेत्र है। यहां पहले से ही ट्रांसफर लगे हुए थे। उन्होंने कहा कि पूर्व में इसी क्षेत्र में हुई घटना का मैटर अलग था, जिस में जांच कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके बाद से यहां वन मंडल की ओर से वृक्षारोपण भी किया गया और निरंतर वन की निगरानी की जा रही है।

हुड्डा ने बताया कि पैंथरों के शव दो से तीन दिन पुराने हैं। बिजली लाइन गांव से गुजर रही है। इन लाइनों को शिफ्ट करने के लिए बिजली निगम को शीघ्र से शीघ्र लिखा जाएगा। वेटरनरी डॉ. अनुष तोमर ने बताया कि तीनों पैंथर का पोस्टमार्टम हो चुका है। पैंथरों की बॉडी जली पाई गई है। करंट लगने से तीनों ही पैंथर के ऑर्गन्स पूरी तरीके से जल गए थे। डॉक्टर ने बताया कि प्रथम दृष्टया करंट लगने से ही मौत होना पाया गया है। मौत के स्पष्ट कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही लगेगा।

जोधपुर में सांप्रदायिक हिंसा भड़की, दो पुलिसकर्मी घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान में जोधपुर के एक इलाके में सांप्रदायिक हिंसा भड़कने पर पथराव में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए, एक दुकान में आग लगा दी गई और दो वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। जोधपुर पश्चिम के पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार यादव ने बताया कि सूर सागर इलाके में राजाराम सर्किल के पास ईदगाह के पीछे की तरफ द्वार के निर्माण को लेकर शुक्रवार रात झड़प हुई। इलाके के लोग द्वार के निर्माण का विरोध कर रहे हैं।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि बीती रात तनाव बढ़ गया और कुछ लोगों ने पथराव किया, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, एक दुकान और एक ट्रैक्टर को आग लगा दी गई और एक जीप में तोड़फोड़ की। अधिकारी ने कहा, पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर लोगों को वहां से खदेड़ दिया और आंसू गैस के चार-पांच गोले भी छोड़े।

शुक्रवार देर रात तक स्थिति पर काबू पा लिया गया, लेकिन इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए शनिवार सुबह भी काफी संख्या में पुलिसकर्मी और 'राजस्थान आर्म्ड कांस्टेबुलरी' बल को इलाके में तैनात रखा गया। पुलिस आयुक्त राजेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर दो प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों के लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस संदिग्धों को पकड़ने के लिए इलाके में छापेमारी कर रही है। पुलिस के अनुसार, ईदगाह के पीछे की तरफ द्वार बनाने के लिए शुक्रवार शाम दीवार का निर्माण कार्य शुरू किया गया था, जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया। इसके बाद विरोध ने हिंसक रूप ले लिया और पथराव, आगजनी व तोड़फोड़ की गई।

पुलिस ने मौके पर पहुंच कर भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया, कुछ लोगों ने सड़क किनारे मौजूद एक ट्रैक्टर में आग लगा दी और एक वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके अलावा, भीड़ ने पुलिस पर भी पथराव किया। पुलिस ने दोनों समुदायों के मौजिज लोगों की मदद से कुछ समय के लिए स्थिति को नियंत्रित कर लिया था, लेकिन अचानक पथराव होने पर स्थिति फिर तनावपूर्ण हो गई।

अवैध रेत खनन मामले में सीबीआई ने राजस्थान में 10 स्थानों पर तलाशी ली

नयी दिल्ली/जयपुर। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अवैध रेत खनन के सिलसिले में शनिवार को राजस्थान में 10 स्थानों पर तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार समझा जाता है कि एजेंसी ने जयपुर, टोंक, जोधपुर, नागौर, भीलवाड़ा, करोली और सीकर में विभिन्न स्थानों पर तलाशी के दौरान 20 लाख रुपये से अधिक नकदी और एक देसी पिस्तौल जब्त की।

उन्होंने बताया कि सीबीआई ने राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर पीठ के आदेश पर अवैध रेत खनन मामले की जांच अपने हाथ में ली है। पहले बूंदी पुलिस ने इस सिलसिले में मामला दर्ज किया था। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि पिछले साल 24 अक्टूबर को बिना वैध परमिट के एक डंपर से 40 मीट्रिक टन रेत की ढुलाई के दौरान शाहरुख को गिरफ्तार किया गया था।

टिन शेड गिरने से बच्ची की मौत

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में टिन शेड गिरने से एक बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार देर रात तेज हवाओं के कारण घर के ऊपर निर्मित टिन शेड गिर गया और एक साल की बच्ची उसके नीचे फंस गई। बच्ची को मलबे से बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा कि बच्ची का शव उसके परिजनों को सौंप दिया गया है।

दीया कुमारी ने राजस्थान में रेल, राज़मार्ग और ऊर्जा क्षेत्र के लिए केन्द्र सरकार से मांगा सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/नई दिल्ली। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने प्रदेश के 21 जिलों की जीवनदाई रेखा साबित होने वाली पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को जल्द ही मूर्त रूप देने एवं राज्य में रेल, राज़मार्ग और ऊर्जा क्षेत्र के लिए केन्द्र सरकार से सहयोग मांगा हैं। श्रीमती दीया कुमारी ने शनिवार को आगामी केंद्रीय परिवर्तित बजट 2024-25 से पहले केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित बजट पूर्व चर्चा में राजस्थान का पक्ष रखा। उन्होंने राजस्थान की जनता से जुड़े हुए विकास के मुद्दों को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा।

बैठक के दौरान श्रीमती दीया कुमारी ने राजस्थान के 21 जिलों की जीवनदाई रेखा साबित होने वाली ईआरसीपी को जल्द ही मूर्त रूप देने के सभी आयामों को विस्तार से रखा। उन्होंने राजस्थान में संचालित 'जल जीवन मिशन' की प्रगति और और इस मिशन को अधिक मजबूती देने तथा जल्द ही इसके लक्ष्यों को हासिल करने के लिए राजस्थान सरकार के प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए केंद्र सरकार से और अधिक सहयोग की मांग रखी।

दीया कुमारी ने बताया कि हमने केंद्रीय मंत्री के समक्ष राजस्थान में लंबित तीन प्रमुख रेल परियोजनाओं को जल्द ही मूर्त रूप देने के विषय को भी रखा ताकि रेल सुविधाओं से वंचित राजस्थान के दूरस्थ इलाकों में विकास की धारा को पहुंचाया जा सके।

प्रदेश में नए राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और उनके सुदृढ़ीकरण को लेकर भी केंद्रीय मंत्री से बैठक के दौरान चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ-साथ राजस्थान में बड़े शहरों को दूरस्थ इलाकों के गांवों और ढाणियों से जोड़ने के लिए सड़कों का सुदृढ़ जाल होना बहुत जरूरी है ताकि राज्य के सभी हिस्सों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके।

दीया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में कृषि, उद्योग के साथ प्रदेश की आधारभूत संरचना के विकास में पर्याप्त ऊर्जा की सुलभ उपलब्धता बहुत अहम स्थान रखती है, इसलिए राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्रीय सहयोग आवश्यक है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से राजस्थान में संचालित ऊर्जा कंपनियों के लिए विशेष सहयोग दिए जाने की मांग रखी ताकि ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान सभी संभावित संभावनाओं का बेहतर ढंग से दोहन करते हुए विकास को आगे बढ़ा सके। निर्मला सीतारमण ने आश्वास्त किया कि केंद्र सरकार राजस्थान की सभी मांगों पर सकारात्मक कदम उठाएगी।

झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से महिला की मौत

उदयपुर। बिकरणी ग्राम पंचायत मुख्यालय पर झोलाछाप के गलत इंजेक्शन लगाने से हुई महिला की मौत पर गुस्साए लोगों ने शुक्रवार देर शाम हथियारों, पत्थरों से लैस होकर आए लोगों ने झोलाछाप के क्लीनिक पर हमला बोल दिया। वहां पर डॉक्टर के नहीं मिलने पर मकान मालिक के घर में हमला कर दिया, जिसमें तीन परिजन घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वहां पर स्थिति को देखकर सुरक्षा के प्रबंध बढ़ाए। मांडवा थाना क्षेत्र के देबरी खेजरी निवासी सिरमी (56) पत्नी हमरिया बुंबरिया की तबीयत खराब होने पर परिजन बिकरणी में एक झोलाछाप के क्लीनिक पर उपचार के लिए लेकर लाए थे। झोलाछाप ने बिना जांच किए इंजेक्शन लगा दिया, जिससे महिला की तबियत बिगड़ गई।

परिजन महिला को तुरंत सीमावर्ती गुजरात के पोशीना के लिए लेकर रवाना हुए, लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही महिला ने रास्ते में दम तोड़ दिया और परिजनों का गुस्सा बढ़ गया।

राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन को मिला ईटी गवर्नमेंट पीएसयू लीडरशिप अवार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन (आरएमएससी) को प्रतिष्ठित ईटी गवर्नमेंट पीएसयू लीडरशिप और एक्सीलेंस अवार्ड2024 के तहत 'डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में नेतृत्व' श्रेणी में सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार आरएमएससी की परियोजना 'बायोमेडिकल उपकरण आपूर्ति श्रृंखला को सुव्यवस्थित करना: एक डिजिटल दृष्टिकोण' के सफल कार्यान्वयन के लिए प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार नई दिल्ली में आयोजित 5वीं राष्ट्रीय पीएसयू समिट 2024 के दौरान प्रदान किया गया। ड्डगरिमामय समारोह में आरएमएससी के अतिरिक्त निदेशक श्री विक्रम सिंह संखला और राज्य नोडल अधिकारी इन्वेंटरी डॉ. प्रेम सिंह ने पुरस्कार ग्रहण किया। आरएमएससी की

प्रबंध निदेशक श्रीमती नेहा गिरि ने बताया कि प्रदेश में निरंतर चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी क्रम में राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन के माध्यम से चिकित्सा संस्थानों में तकनीक आधारित सिस्टम से चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति एवं उनके रखरखाव का काम किया जा रहा है। यह पुरस्कार स्वास्थ्य के क्षेत्र में समर्पित प्रयासों और नवाचारों का ही प्रमाण है। उन्होंने बताया कि बायोमेडिकल उपकरणों की आपूर्ति श्रृंखला को डिजिटल माध्यम से सुव्यवस्थित करके न केवल कार्यकुशलता में सुधार किया है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। श्रीमती गिरि ने बताया कि इस अवार्ड के चयन के लिए गठित ज्यूरी दल में कई प्रतिष्ठित हस्तियाँ शामिल थीं, जिनमें श्री अतुल चतुर्वेदी, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, पशुपालन और डेयरी विभाग, डॉ. नीता वर्मा, पूर्व महानिदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, और श्रीमती सोमा मोंडल, पूर्व अध्यक्ष, सेल शामिल हैं।

वसुंधरा राजे करतीं प्रचार तो पार्टी को होता फायदा : सुमेधानंद सरस्वती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर । राजनीति में कोई चीज स्थाई नहीं होती है। अनेक समीकरण बनते हैं और समीकरणों के आधार पर ही हार जीत होती है। यह कहना है सीकर लोकसभा क्षेत्र से दो बार के सांसद रहे और लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती का। उन्होंने राहुल कस्वां का टिकट कटने से पार्टी को नुकसान की बात भी कही। साथ ही कहा कि वसुंधरा राजे अगर चुनाव प्रचार करतीं तो पार्टी को फायदा होता। लोकसभा चुनाव में अपनी हार के बारे में बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जहां तक लोकसभा 2024 के चुनाव के प्रथम चरण में राजस्थान की 12 सीटों में से 8 सीटों पर भाजपा हारी। इसका बहुत बड़ा कारण रहा वोट प्रतिशत कम होना। किसान आंदोलन और गठबंधन की पार्टियों की ओर से झूठे तरीके से प्रचार करना। केंद्र सरकार की अग्निवीर योजना को सही तरीके

युवाओं को नहीं समझा पाने के कारण भी नुकसान हुआ।

स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि कहा कि राहुल कस्वां का टिकट काटने का असर शेखावाटी की चारों सीट चूरू, सीकर, झुंझुनूं और नागौर पर पड़ा है। इसको बिल्कुल भी नकारा नहीं जा सकता, लेकिन केवल जाट वोटों को ही बात नहीं है। इसके अलावा एससी को डराया गया कि आपका संविधान खतरे में पड़ जाएगा, आपका आरक्षण खत्म कर देंगे। इसके चलते एससी के वोट भाजपा को कम मिले, साथ ही राजपूत के वोट भी कम पड़े। राजपूतों ने वोट तो दिए, लेकिन काफी कम पड़े हैं। इसका मुख्य कारण रूपाला का बयान रहा।

वसुंधरा राजे की झालावाड़ के अलावा अन्य जगह सक्रियता कम रहने के सवाल पर सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि हो सकता है मैडम अगर चुनाव प्रचार में जातीं, तो कुछ न कुछ पार्टी को लाभ मिलता। दो बार प्रदेश की मुख्यमंत्री रही हैं और पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। इसके साथ ही प्रभावशाली नेता हैं, इसलिए उनका प्रभाव जरूर पड़ता। लेकिन वह खुद नहीं गईं या पार्टी ने नहीं बुलाया, इस बारे में मैं कुछ नहीं कहूंगा।

पार्टी में आगे की भूमिका के सवाल पर उन्होंने कहा मेरे ऊपर पार्टी का ऋण है, क्योंकि पार्टी ने बिना मांगे ही दो बार मुझे टिकट दिया और सहयोग किया। इसके साथ ही हमेशा पार्टी ने मेरा सम्मान किया। जब तक मेरे इस शरीर में प्राण है, तब तक पार्टी मुझे जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे पूरा करूंगा। मेरी हार से पार्टी के कार्यकर्ता निराश न हों, केंद्र और राज्य में हमारी सरकार है। हम काम करेंगे और सबको साथ लेकर काम करेंगे।

पृथ्वीराज चौहान खेल महाकुंभ 30 से 7 जुलाई तक होगा

अजमेर। महापौर ब्रजलता हाड़ा ने बताया कि खेल महाकुंभ के मध्यम से खेल को प्रोत्साहन देने व शहर को एक वृहद मंच उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से खेल महाकुंभ का आयोजन निगम करता है। इस हेतु खेल अधिकारियों, खेल विशेषज्ञ, पार्षदों की कमेटी बनाई गई है, महापौर हाड़ा से अजमेर के युवाओं से अधिकाधिक खेल महाकुंभ का हिस्सा बनने का आग्रह किया है। उपमहापौर नीरज जैन ने बताया कि अजमेर की प्रतिभाओं को मंच देने व उनके सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा कई वर्षों से अनवरत खेल महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रवेश नि:शुल्क रहेगा।

अजमेर वासियों में खेलों के माध्यम से खिलाड़ियों में टीम भावनाएं बढ़े, जिस क्रम में आगामी 30 जून से 7 जुलाई तक विभिन्न स्थानों पर आयोजित होने है, जिसमें कबड्डी, बोलीबाल, बैडमिंटन, हॉकी, शूटिंग, बास्केटबॉल, कुश्ती, लॉन टेनिस, फुटबॉल, बॉक्सिंग, साइकिलिंग, स्विमिंग, योग, खो-खो, टेबल टेनिस, स्केटिंग, तीरंदाजी आदि खेलों हेतु प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित करेगी मप्र सरकार : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करेगी उिन्होंने बताया कि सरकार ने राज्य की राजधानी भोपाल में प्रवेश बिन्दुओं पर इन देवताओं से संबंधित तोरण द्वार बनाने का भी निर्णय लिया है।

एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री यादव ने शुक्रवार को संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान इस संबंध में निर्देश जारी किए।

यादव ने कहा, ''मध्य प्रदेश सरकार राज्य में भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों की पहचान करेगी और उन्हें तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करेगी।''

उन्होंने विभाग को भोपाल शहर के प्रवेश बिंदुओं पर भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से संबंधित तोरण द्वार बनाने के निर्देश दिए तथा 11वीं शताब्दी के परमार वंश के शासक राजा भोज के अलावा भारतीय साहित्य में वर्णित राजा विक्रमादित्य को समर्पित प्रवेश द्वार निर्मित करने की योजना बनाने के निर्देश दिए हैं।

अधिकारी ने बताया कि यादव ने अधिकारियों को राज्य की सीमाओं पर प्रवेश द्वार बनाने के निर्देश भी दिए ताकि लोगों को मध्य प्रदेश की संस्कृति और धार्मिक महत्व वाले स्थलों के बारे में जानकारी मिल सके।

मुख्यमंत्री ने प्रशासन को धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए धार्मिक स्थलों के विकास की योजना बनाने के निर्देश दिए।

राज्य में लोगों के बीच भारतीय संस्कृति और दर्शन का प्रचार-प्रसार करने के लिए मानस जयंती के अवसर पर गीता महोत्सव आयोजित करने को लेकर कार्य योजना बनाने के भी विभाग को निर्देश दिए गए हैं।

यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को स्थानीय प्रतिनिधियों की मदद से विकसित किया जाना चाहिए उिन्होंने कहा कि राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है और पर्यटन स्थलों के प्रचार की जरूरत पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि विभिन्न संग्रहालयों के माध्यम से स्थानीय उत्पादों और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

नाबालिग भांजी के साथ अश्लील हरकत करने वाले मामा को चार वर्ष की कैद

ग्रेटर नोएडा (उप्र)/भाषा। गौतमबुद्ध नगर जनपद की एक अदालत ने नाबालिग भांजी के साथ अश्लील हरकत करने के जुर्म में एक व्यक्ति को चार साल की कैद की सजा सुनाई है। सहायक शासकीय अधिवक्ता चवनपाल भाटी ने बताया कि अपर सत्र विशेष न्यायाधीश (पोक्सो) की अदालत ने एक व्यक्ति को नाबालिग भांजी से छेड़छाड़ करने के जुर्म में चार साल के कारावास की सजा सुनाई । अदालत ने अभियुक्त पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर अभियुक्त एक माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। 2017 में बच्ची के पिता ने मामला दर्ज कराया था। शिकायकर्ता ने शिकायत की थी चार अक्टूबर, 2017 को बेटी घर पर अकेली थी तब वहां पर बांदा के सुहाना निवासी प्रेमदीप पहुंचा और उसने दुष्कर्म करने का प्रयास किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हसीना के साथ वार्ता की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ शनिवार को व्यापार और संपर्क सहित विविध क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने के लिए व्यापक बातचीत की। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शुक्रवार से दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। लोकसभा चुनाव के बाद भारत में नई सरकार के गठन के बाद, किसी विदेशी नेता की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा,'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने द्विपक्षीय वार्ता से पहले हैदराबाद हाउस में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना का गर्मजोशी से स्वागत किया।'' उन्होंने कहा, '' दोनों नेता 2019 से दस बार मुलाकात कर चुके हैं, जिससे रिश्तों में अभूतपूर्व बदलाव आया है।'' बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हसीना ने सुबह राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री के साथ वार्ता से पहले हसीना का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में रस्मी स्वागत किया गया। अधिकारियों ने बताया कि मोदी-हसीना वार्ता का मुख्य उद्देश्य व्यापार, संपर्क और ऊर्जा के क्षेत्रों सहित द्विपक्षीय संबंधों को नई गति प्रदान करना है।

हसीना भारत के पड़ोसी और हिंद महासागर क्षेत्र के उन सात शीर्ष नेताओं में शामिल थीं, जो नौ जून को राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। पिछले कुछ वर्षों में भारत और बांग्लादेश के बीच समग्र सामरिक संबंध तेजी से बढ़े हैं।

फिरोजाबाद जेल में क़ैदी की मौत पर बवाल को लेकर 45 नामजद, 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

फिरोजाबाद (उप्र)/भाषा। फिरोजाबाद जेल में दलित बंदी की मौत के बाद हुए बवाल और उपद्रव के मामले में पुलिस ने 45 नामज़द और 50 अज्ञात लोगों के ख़िलाफ़ प्राथमिकी दर्ज की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार चोरी के आरोप में जेल भेजने के बाद एक युवक की हालत बिगड़ने पर मौत हो गई थी। इसके बाद पोस्टमार्टम पूरा होने के बाद शव घर ले जाते समय पुलिस एवं लोगों के बीच झड़प हो गयी जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ व आगजनी की गई थी। मुख्यमंत्री राहत कोष से 5 लाख रु. की आर्थिक सहायता का चेक दिये जाने के बाद युवक का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

नए परीक्षा कानून को लागू करना लीपापोती का प्रयास : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि नीट-स्नातक, यूजीसी-नेट को लेकर जारी विवाद के बीच केंद्र सरकार द्वारा लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 को अधिसूचित किया जाना लीपापोती का एक प्रयास है।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि जब तक शिक्षा प्रणाली व स्वायत्त संस्थानों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की दखलंदाजी से मुक्त नहीं किया जाता तब तक यह धांधली और भ्रष्टाचार जारी रहेगा। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) को लेकर विवाद के बीच, केंद्र सरकार ने लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 अधिसूचित किया, जिसका उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कदाचार और अनियमितताओं पर अंकुश लगाना है। इस अधिनियम के तहत अपराधियों के लिए अधिकतम 10 साल की जेल की सजा और एक करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। खरगे ने पोस्ट किया, ''नीट घोटाले में भाजपा जितनी भी कोशिश कर ले, धांधली, भ्रष्टाचार और शिक्षा माफिया को बढ़ावा देने की अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती।'' उन्होंने दावा किया कि प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कानून अधिसूचित नहीं हुआ था, लेकिन जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की प्रेस वार्ता में उनसे इसके बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह कानून अधिसूचित हो गया है।

विधानसभा चुनाव में कम सीट पर समझौता नहीं करेगी राकांपा (एसपी): शरद पवार ने दिये संकेत

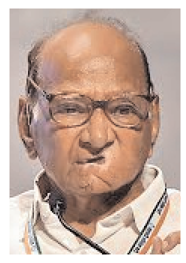

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में पार्टी महा विकास आघाडी (एमवीए) सहयोगियों की तुलना में कम सीट पर चुनाव लड़ने पर राजी हो गई थी लेकिन विधानसभा चुनाव में ऐसा नहीं होगा। पार्टी के एक नेता ने राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार को उद्धृत करते हुए यह बात कही। पवार ने पुणे शहर और जिले के पार्टी पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की और इसके बाद विधायकों और नवनिर्वाचित सांसदों के साथ भी एक बैठक की थी। राकांपा (शरदचंद्र पवार) पुणे इकाई के प्रमुख प्रशांत जगताप पहली बैठक में शामिल हुए थे। जगताप ने बताया कि बैठक में पवार ने सदस्यों से कहा कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव में कम सीटों पर चुनाव सिर्फ इसलिए लड़ा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि शिवसेना और कांग्रेस के साथ गठबंधन बरकरार रहे। जगताप ने कहा,'' उन्होंने संकेत दिए हैं कि विधानसभा चुनाव में स्थिति अलग होगी।'' उन्होंने बताया कि राकांपा (शरद पवार) प्रमुख ने पुणे, बारामती, मावल और शिरूर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में आने वाले विधानसभा क्षेत्रों में स्थिति की भी समीक्षा की।

जल संकट को लेकर आतिशी का अनिश्चितकालीन अनशन दूसरे दिन भी जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में जल संकट को लेकर दिल्ली की जल मंत्री आतिशी का अनिश्चितकालीन अनशन दूसरे दिन, शनिवार को भी जारी है।

दक्षिणी दिल्ली के भोगल में अपने 'जल सत्याग्रह' स्थल से एक वीडियो संदेश में आतिशी ने कहा कि जब तक हरियाणा दिल्ली वासियों के लिए और पानी नहीं छोड़ता, तब तक वह कुछ नहीं खाएंगी। उन्होंने कहा कि शहर में 28 लाख लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। मंत्री का अनिश्चितकालीन अनशन शुक्रवार को शुरू हुआ और उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा यमुना नदी में दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं छोड़ रहा है उिन्होंने कहा कि शुक्रवार को हरियाणा ने 11 करोड़ गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) कम पानी छोड़ा उिन्होंने कहा, ''एक एमजीडी पानी से 28,000 लोगों को जलापूर्ति होती है। 100 एमजीडी पानी की कमी का मतलब है कि दिल्ली में 28 लाख लोगों को पानी नहीं मिल रहा है।''

श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवाने वाले मुख्य पुजारी आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित का निधन

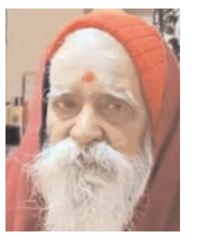

वाराणसी (उप्र)/भाषा। अयोध्या में भव्य राम मंदिर में श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवाने वाले मुख्य पुजारी आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित का शनिवार सुबह निधन हो गया। परिजनों ने यह जानकारी दी। परिजनों ने बताया कि वह 86 वर्ष के थे और पिछले कुछ दिनों से बीमार थे। उनका दाह संस्कार मणिकर्णिका घाट पर किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य मंदिर में भगवान श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की गयी थी।

आचार्य दीक्षित की गिनती काशी के वरिष्ठ विद्वानों में होती है। आचार्य दीक्षित के द्वारा काशी के 121 ब्राह्मणों ने अयोध्या के भव्य मंदिर में श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवाई थी। लक्ष्मीकांत दीक्षित मूल रूप से महाराष्ट्र के शोलापुर जिले के रहने वाले थे, लेकिन कई पीढ़ियों से उनका परिवार काशी में रह रहा है। वे सांगवेद महाविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के निधन पर दुख प्रकट करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''काशी के प्रकांड विद्वान एवं श्रीराम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य पुरोहित, वेदमूर्ति, आचार्य श्री लक्ष्मीकांत दीक्षित जी का गोलोकगमन अध्यात्म और साहित्य जगत की अपूरणीय क्षति है।'' योगी ने कहा, ''संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति की सेवा हेतु वे सदैव स्मरणीय रहेंगे।''

पुरी में भगवान जगन्नाथ की 'स्नान यात्रा' के लिए एकत्रित हुए हजारों श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के पुरी शहर में शनिवार को 12वीं सदी के मंदिर में हजारों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ की 'स्नान यात्रा' के लिए एकत्रित हुए।

चक्रराज सुदर्शन के साथ भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ की मूर्तियों को मंदिर परिसर में स्थित स्नान मंडप में लाया गया, जहां उन पर 108 घड़ों का पवित्र जल डाला गया। भगवान जगन्नाथ को 35 घड़ों के जल से स्नान कराया गया, जबकि भगवान बलभद्र को 33 घड़ों, देवी सुभद्रा को 22 घड़ों और चक्रराज सुदर्शन को 18 घड़ों के जल से स्नान कराया गया। जल मंदिर स्थित 'सुना कुआं' या स्वर्ण कुएं से लाया गया।

पानी में जड़ी-बूटी और सुगंधित तत्व मिलाए गए और उसके बाद उस जल से स्नान बेदी' में देवताओं का स्नान कराया गया। यह अनुष्ठान वार्षिक रथयात्रा उत्सव की शुरुआत का प्रतीक है। जगन्नाथ संस्कृति के शोधकर्ता पंडित सूर्यनारायण रथशर्मा ने बताया कि गजपति महाराजा राजा दिब्यसिंह देब ने स्नान अनुष्ठान के तुरंत बाद 'स्नान मंडप' में 'चेरा पन्हरा' (झाड़ू लगाने) की रस्म निभायी। 'चेरा पन्हरा' के पूरा होने के बाद, देवताओं को 'स्नान बेदी' में 'हाथी बेसा' (हाथी की पोशाक) पहनाई गई। हाथी की पोशाक और इस अवसर पर विशेष वेशभूषा पारंपरिक रूप से राघबा दास मठ और गोपाल तीर्थ मठ के कारीगरों द्वारा तैयार की जाती है। मान्यता के अनुसार, अत्यधिक स्नान के कारण देवता बीमार पड़ जाते हैं और उन्हें 'अनासर गृह' में ले जाया जाता है। देवताओं को अब 'अनासर गृह' में 14 दिनों के लिए पृथकवास किया जाएगा। इस अवधि के दौरान श्रद्धालुओं को देवताओं के दर्शन करने की अनुमति नहीं होती है। ठीक होने पर, देवता 'नबजौबन दर्शन' के अवसर पर श्रद्धालुओं के सामने आते हैं।

झारखंडः जमीन हड़पने के मामले में ईडी की छापेमारी, एक करोड़ रुपये नकद, 100 कारतूस बरामद

रांची/भाषा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और अन्य के खिलाफ कथित तौर पर जमीन हड़पने से जुड़े धन शोधन की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रांची में छापेमारी कर एक करोड़ रुपये नकद और 100 कारतूस जब्त किए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि कांके रोड स्थित एक परिसर में छापेमारी कर शुक्रवार शाम ये जब्ती की गईं। उन्होंने बताया कि परिसर के मालिक की पहचान कमलेश सिंह नाम के व्यक्ति के रूप में हुई है।

सूत्रों के अनुसार, छापेमारी की यह कार्रवाई पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता हेमंत सोरेन के खिलाफ कथित तौर पर जमीन हड़पने के मामले में की जा रही है, लेकिन यह एक अलग भूखंड से जुड़ा मामला है उिन्होंने बताया कि एजेंसी ने कारसूत बरामद किए जाने के संबंध में शस्त्र अधिनियम के तहत पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया है। जांच के तहत ईडी सोरेन, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी एवं रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, भानु प्रताप प्रसाद और अन्य सहित 25 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

पूर्वोत्तर में पहली बार 'ब्रेन डेड' व्यक्ति से गुर्दे का सफल प्रत्यारोपण किया गयाः शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को दावा किया कि पूर्वोत्तर में पहली बार 'ब्रेन डेड' व्यक्ति के गुर्दे को सफलतापूर्वक यहां एक सरकारी अस्पताल में दो लोगों में प्रत्यारोपित किया गया।

शर्मा ने बताया कि दुर्घटना के पीड़ित को 'ब्रेन डेड' (मस्तिष्क तौर पर मृत) घोषित किया गया था और उसके दो गुर्दों का गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) में दो लोगों में प्रत्यारोपित किया गया। शर्मा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, जीएमसीएच में पिछले छह वर्षों से गुर्दा प्रत्यारोपण हो रहा है, लेकिन यह पहली बार है कि परिवार की अनुमति से एक 'ब्रेन-डेड' दानदाता से गुर्दा प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया गया उिन्होंने बताया कि जीएमसीएच में पहले भी ऐसी प्रक्रिया का प्रयास किया गया था, लेकिन सफलता नहीं मिली थी।

विद्यालय की टंकी का पानी पीने से 20 छात्र बीमार

लातेहार/भाषा। झारखंड के लातेहार जिले में शनिवार को एक विद्यालय में टंकी का पानी पीने से कम से कम 20 छात्र बीमार पड़ गये। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बच्चों को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाने पर चिकित्सकों ने उनकी हालत स्थिर बतायी। यह घटना राज्य की राजधानी रांची से लगभग 80 किलोमीटर दूर दुरू के एक प्राइमरी विद्यालय की है। स्कूल के एक शिक्षक ने बताया कि खाना खाने के बाद बच्चे विद्यालय में बनी टंकी का पानी पीने चले गये। कुछ देर बाद कई छात्रों को उल्टी होने लगी और उन्होंने बेचैनी की शिकायत की। कुछ छात्रों ने बताया कि पानी से काफी दुर्गंध आ रही थी। छात्रों को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां उनकी जांच की गई। चिकित्सकों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है। चंदवा प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन कुमार ने बताया कि पानी का नमूना जांच के लिए लिया गया है। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा भी किया।

भारतीय महिला कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने विश्व कप में लगायी स्वर्ण पदकों की हैट्रिक, प्रियांश को रजत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अंताल्या (तुर्की)/भाषा। भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की कम्पाउंड महिला टीम ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां तीसरे चरण में एस्टोनिया पर जीत से विश्व कप में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगायी जबकि प्रियांश को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाज प्रियांश पुरुषों के फाइनल में दुनिया के पहले नंबर के माइक श्लोसेर से हार गये। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय महिलाओं की तिकड़ी ने यहां एकतरफा फाइनल में एस्टोनिया की लिसेल जाटमा, मीरी मैरिटा पास और मैरिस टेट्समैन को 232-229 से हराया। भारत की महिला कम्पाउंड टीम ने अप्रैल में शंघाई और और मई में येचियोन में क्रमशः विश्व कप के पहले चरण और दूसरे चरण के स्वर्ण पदक जीते थे। इस तरह टीम इस सत्र में अपराजेय रही है।

फिर उभरते हुए कम्पाउंड तीरंदाज प्रियांश नीदरलैंड के श्लोसेर को इस सत्र में दूसरी दफा हराने में विफल रहे जिससे उन्हें उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। वह शानदार प्रदर्शन से फाइनल में पहुंचे जिसमें पहले सेट में उन्होंने एक अंक गंवाया लेकिन इसके बाद वापसी नहीं कर सके और श्लोसेर ने 149-148 से जीत हासिल की।

सेमीफाइनल में 21 वर्षीय प्रियांश ने दुनिया के दूसरे नंबर के तीरंदाज माथियास फुलरटन को एक अंक से हराकर पिछले विश्व कप में मिली हार का बदला चुकता किया। विश्व कप के दूसरे चरण में डेनमार्क के तीरंदाज ने शूटऑफ में प्रियांश को हराकर बाहर कया था। प्रियांश के लिए यह दूसरा विश्व कप रजत पदक है। इस साल अप्रैल में सत्र के शुरुआती विश्व कप में प्रियांश फाइनल में आस्ट्रिया के निको विएनर से 147-150 से हारकर दूसरे स्थान पर रहे थे। भारत रविवार को रिकर्व फाइनल में तीन पदक जीतने का लक्ष्य बनाये होगा।

महज औपचारिकता का मुकाबला नहीं, हम इससे सीखने की कोशिश करेंगे : दीप्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। सीनियर ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शनिवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय मुकाबले को भारत महज औपचारिकता का मैच नहीं मानेगा बल्कि टीम पिछले मैचों की बढ़त को मजबूत करना चाहेगी। भारत ने पहले दो मैच 143 और चार रन से जीतकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की विजयी बढ़त बना ली है।

दीप्ति ने मैच से पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''हां, हमने श्रृंखला जीत ली है लेकिन हम इस मैच को सिर्फ औपचारिकता के रूप में नहीं देखेंगे। हमें जो भी मौके मिलेंगे हम उनसे सीखने की कोशिश करेंगे क्योंकि हम इस सप्ताह के अंत में (चेन्नई में) एकमात्र टेस्ट खेलने जा रहे हैं।'' इस ऑफ स्पिनर ने पहले मैच में अपने ऑलराउंड कौशल का प्रदर्शन किया था करते हुए महत्वपूर्ण 37 रन बनाए थे जिससे टीम पांच विकेट पर 99 रन की मुश्किल स्थिति से उबरने में सफल रही। उन्होंने इसके बाद मैच में दो विकेट भी चटकाए।

दीप्ति ने कहा, ''मुझे दबाव की स्थिति का सामना करना पसंद है। मेरी सोच बहुत स्पष्ट है। मैं हमेशा टीम को जीत दिलाना चाहती हूं या टीम को जीत की स्थिति में पहुंचाना चाहती हूं, फिर चाहे वह मेरी बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी। दोनों मैचों में भारत के शीर्ष क्रम ने धीमी शुरुआत की जिसके बाद बीच के ओवरों और अंतिम ओवरों में टीम ने तेजी से रन जुटाए। दीप्ति ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों ने श्रृंखला में अच्छा अनुकूलन कौशल दिखाया उिन्होंने कहा, ''सलामी बल्लेबाज परिस्थितियों के अनुसार खेलीं। शुरुआती ओवरों में गेंद थोड़ी घूम रही थी और उन्होंने इसे ध्यान में रखकर खेला। उन्होंने अच्छी तरह से अनुकूलन किया।''

सुविचार

जो इंसान खुद के लिए जीता है, उसका एक दिन मरण होता है, पर जो इंसान दूसरों के लिए जीता है, उसका हमेशा स्मरण होता है।

ट्वीट

प्रदेश की नारी शक्ति के सर्वांगीण उन्नयन की दिशा में हमारी सरकार द्वारा तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए आरक्षण की सीमा 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत के ऐतिहासिक निर्णय लेने उपरांत मातृशक्ति द्वारा आत्मीय अभिनंदन प्रकट किया गया।

-भजनलाल शर्मा

श्री राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य पुरोहित एवं प्रसिद्ध विद्वान आचार्य श्री लक्ष्मीकांत दीक्षित जी के देहावसान का अत्यंत दुःख समाचार मिलना। उनका जाना आध्यात्मिक जगत के लिये अपूरणीय क्षति है।

-अर्जुनराम मेघवाल

कहानी

■ दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261.

यादों में वह दिन

आज भी मुझे वह दिन याद हैं। हालांकि उसमें सुदर्शन फाकिर की गज़ल वाले बचपन का सावन, बारिश का पानी, 'कागज की कश्ती' जैसी कोई बात नहीं है। वह बड़े कठिन और संघर्ष भरे दिन थे। इसका अंदाजा इस बात से लग सकता है कि मेरा हाई स्कूल का रिजल्ट आया भी नहीं था, तभी फर्मान जारी हो गया था-'अब आगे पढ़ाई नहीं हो पाएगी। अपनी रोजी-रोटी का रास्ता खोजो...'

मैंने शहर के 'सुधारक प्रेस' में हेल्पर के तौर पर काम करना शुरू कर दिया था। यहाँ से साप्ताहिक सुलतानपुर 'समाचार पत्र' का प्रकाशन होता था। यह आठ पेज का होता था, जिसके दो पेज कविता, कहानी और लोकरुचि के विषयों वाले लेखों से भरे रहते थे। यहाँ जिले के लेखकों-पत्रकारों का खूब आना जाना था। इनसे मेलजोल के फलस्वरूप मेरे अन्दर भी पढ़ने-लिखने का एक आवेग बनने लगा था। प्रेस के बुजुर्ग मालिक बलराम वैद्य भले व्यक्ति थे और समाज में ऊंचा स्थान रखते थे। उनके बड़े बेटे का विवाह हमारे पड़ोसी गाँव के ब्राह्मण परिवार में हुआ था। इसलिए वैद्यजी के यहाँ मेरा रिश्तेदारी के लड़के जैसा मान-सम्मान था।

यहाँ काम करते हुए ही मेरा दसवीं का रिजल्ट आया था। वैद्यजी मेरा अंकपत्र देखकर खुश हुए थे और व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया था। तीन महीने के अन्दर मैंने कम्पोजिंग सीख ली थी, ट्रेडिल मशीन का फार्मा कस के छपाई भी करने लगा था। मेरी काम करने स्पीड भी ठीक थी। इसे देखते हुए वैद्यजी ने कहा था-'अब तुम्हारे हाथ में हुनर आ गया है। खुद दिमाग गलत दिशा में न लगाए, तो आगे निकलते चले जाओगे।'

बाद में उन्होंने स्वयं पैसा लगाकर मेरा इंटरमीडिएट का फार्म भरवाया था। 'सुलतानपुर समाचार पत्र' मे मेरे लेख छपते रहते थे किन्तु, इन्हीं दिनों मेरी एक कहानी 'नीहारिका'में प्रकाशित हुई। हालांकि यह देखने के लिए बलराम वैद्य जी नहीं बचे थे। अचानक उनकी तबियत बिगड़ी थी और सिर्फ तीन सौ मीटर की दूर जिला अस्पताल पहुंचते ही उनकी काया निर्जीव हो चुकी थी। उनका जाना मेरे लिए बड़ा आघात था, जबकि उनके परिवार वालों के लिए परम दुर्भाग्य का निमित्त...!

इलाहाबाद यानी आज के प्रयागराज, पैतृक गाँव सोनारी और सुलतानपुर शहर में उनकी प्रचुर संपत्ति थी। इसकी छीना-झपटी में उनके लड़के लोग ऐसे पागल हुए कि प्रेस और अखबार की ऐसी-तैसी हो गई। मैं घर बैठ गया।

तभी मुझे एक पोस्ट कार्ड मिला। शहर से बृजेन्द्र श्रीवास्तव ने भेजा था। उन्होंने 'नीहारिका' में छपी मेरी कहानी की प्रशंसा की थी, साथ ही यह भी लिखा था कि सुलतानपुर आने पर रुद्रनगर में उनके 'जन भारती' कार्यालय में मिलूँ। वह मुझे नहीं जानते थे, मगर मैं उनके प्रेस, अखबार और उन्हें जानता था। लड़कियों जैसे फेस कट के दुबले-पतले नगर के खूब लंबे व्यक्तियों में एक थे। मैं अगले ही दिन जन भारती' कार्यालय जाकर उनको सलाम ठोंका-'भइया प्रणाम !'

मैंने उनका पोस्ट कार्ड दिखाया। वह तत्काल बोले-'तो यह आप हैं ? अभी कर क्या रहे हैं ?'

मैंने सारी स्थिति बयान कर दी। उन्होंने मुझे समझाया-'फिर ऐसा करो, आज से ही तुम मेरे यहाँ आ जाओ। अपना अखबार है, लिखना-पढ़ना। तुम्हारी शिक्षा भी चल जाएगी, चार पैसे भी हाथ आएंगे...'

मुझे काम की जरूरत थी, वह मिल रहा था। फिर ना-नुकुर का क्या मतलब! मैंने कहा-'ठीक भइया, सोमवार से आ जाता हूँ। मुझे लगता है, आज शनिवार से शुरुआत ठीक नहीं रहेगी।'

बृजेन्द्र भइया के पास पैसा नहीं था, लेकिन अपने साप्ताहिक को 'दिनमान' बनाने का सपना और जुनून दोनों था। उनके साथ मेरी अच्छी जमी। यहीं रहते हुए मेरा इंटरमीडिएट पूरा हुआ। मैट्रिक और इन्टर में मेरे मार्क्स अच्छे थे। इस मेरिट के आधार पर मेरा बी.टी.सी. की ट्रेनिंग के लिए चयन हो गया। यह ट्रेनिंग पूरी करने के बाद मुझे प्राथमिक शिक्षा में अध्यापक हो जाना था। बृजेन्द्र भइया के प्रेस में काम करते हुए मेरी ट्रीनिग भी सम्पन्न हो गई। मगर जीवन में सब सीधा-सपाट नहीं चलता। यहाँ भी ऐसा ही हुआ। हम अध्यापक नियुक्त होने की राह देख रहे थे, तभी 25 जून 1975 में इमरजेंसी लग गई। बृजेन्द्र भइया मीसा में जेल चले गए।

वह ही नहीं, जिले के सारे विपक्षी पार्टियों के नेता और तनकर चलने वाले पत्रकार डी.आइ.आर. या मीसा में अन्दर हो चुके थे। फिजा में दहशत और सनसनी का बोलबाला था। मेरे पिताजी ने समझाया-'तुम जालंधर चले जाओ। लाला जगत नारायण और मैं भारत छोड़ो आंदोलन के समय साथ-साथ जेल काट चुके हैं। करीब पन्द्रह दिन पहले उनको तुम्हारी नौकरी के लिए लिखा था। जवाब आया था, बोले हैं पंजाब केसरी' में रख लेंगे।'

मैंने जालंधर का टिकट कटा लिया किन्तु, वहाँ पहुँचने पर पता चला कि लालाजी पच्चीस जून को ही जेल जा चुके थे। मेरी मुलाकात रमेश चंदर से हुई। मेरा मामला उनके संज्ञान में था। उन्होंने बड़े भाई जैसा फर्ज निभाया। नृपेन्द्र परमार को मेरे लिए शिफारिसी चिट्ठी लिखी और कहा-'पाई, तू चंडीगढ़ चला जा। अठाई सेक्टर बिच नेशनल लेजेंड' का दफ्तर है। उनको इक आलराउंडर की जरूरत है। उधर तेरा काम हो जाएगा। हमारे अखबार का कल क्या हो, कोई ठिकाना नहीं !'

मैं वहाँ से निकलने लगा तो सौ की एक नोट भी उन्होंने मेरी पॉकेट में डाल दिया था। 'नेशनल लेजेंड' के सम्पादक नृपेन्द्र परमार भाई मुझसे तीन-चार साल बड़े यानी तेईस-चौबीस साल के खूब गोरे-चिट्टे व्यक्ति थे। पहली नजर में कुछ मसखरे से चंचल और बातूनी व्यक्ति लगते थे। दो-चार औपचारिक सवालों के बाद उन्होंने संतोषजनक वेतन पर मेरी नियुक्ति कर ली। फिर बोले-'यह बताओ, तुम्हारा रहने का क्या होगा ?'

जैसे आपने नौकरी दे दी, वैसे ही रहने का भी जुगाड़ बन जाएगा।'-मैंने बेफिक्री से जवाब दिया था।

वह मुस्कराते हुए बोले-'तुम्हारा जवाब पसंद आया। सामने सड़क से दाहिनी तरफ डेढ़ सौ मीटर पर होटल है। मुझे बताकर खाना खा लेना। शाम को छह बजे यहीं मिलना, अभी मैं जरूरी काम से निकल रहा हूँ।'

इसके बाद वे अपनी वेस्पा लेकर कहीं निकल गए थे। भोजन मैंने सत्रह सेक्टर के बस स्टैंड पर ग्यारह बजे पहुंचते ही कर लिया था। अभी अपराह्न चार बजे का समय था। न यह खाने का समय था, न मेरा मन ही खा। हाँ, अब मुझे यहाँ रह के काम करना था। इसलिए आसपास की लोकेशन पर नजर डालने के लिए मैं प्रेस परिसर से बाहर आ गया। इसके बगल में एक मंदिर था। मैं अन्दर चला गया। बड़ी गंदगी थी, लग रहा था कि चार-पाँच दिन से सफाई नहीं हुई थी। तखत पर लम्बी काया के वृद्ध पुजारी पंखे की हवा में लेटे थे। मैंने आगे बढ़कर उनका चरण स्पर्श किया-'बाबाजी, प्रणाम...!'

उन्होंने लाल-लाल आँखें खोली। आशीर्वाद दिया। मेरे विषय में यह जानकर कि मैं पूर्वी उत्तर प्रदेश से हूँ, वह प्रसन्न हुए। बोले-'मुझे भी लगा, कोई अपने इलाके का है। यहाँ वाले तो खैरियत पूछने के लिए भी लाठी जैसा मारते हैं-ओ'ए पुजारी, की हो रिया है ?'

वह वाराणसी के थे। बीस साल पहले पुलिस महकमे में डीएसपी थे। रिटायरमेंट के बाद एक धार्मिक ट्रस्ट का काम देखने लगे। पिछले दो साल से ट्रस्ट के इस मंदिर के पुजारी हैं। इन दिनों ज्वरग्रस्त थे। उन्होंने मुझसे स्टोव जलवा के चाय बनवाया। खुद तो लिए ही, मुझे जबरदस्ती करके दिया। चाय के बाद सहज आवेगवश मैंने मंदिर की सफाई कर दिया। स्नान और धूपबत्ती किया। पुजारी खुश होकर तत्काल मेरी एक समस्या का समाधान कर दिये। बोले-'ठाकुर बेटा, चाहो तो हमारे साथ मंदिर की किसी कोठरी में रह सकते हो। मुझे भी सहारा हो जाएगा...'

थोड़ी देर बाद परमार से मुलाकात हुई। मैंने उन्हें अपने आवास की व्यवस्था के विषय में अवगत करा दिया। उनका मत था-'तुममें जैसी तेजी मैं देख रहा हूँ, उससे लग रहा है कि अखबार के लिए तुम अच्छे आलराउंडर साबित होंगे। एक बात और बताओ, क्या अंग्रेजी के लेखों का हिन्दी तर्जुमा कर सकते हो।'

मैंने बताया-'एकदम क्लोजेस्ट तो नहीं, मगर मोटे तौर पर कर लेता हूँ...!'

'मिस्टर सिंह, नेशनल लीजेंड इस जस्ट अ टैबलायड, इट इज नाट अ स्टैंडर्ड सब्जेक्टिव जर्नल। सो व्हाट एवर यू विल डू, वुड वी एनफ ऐज आकॉर्ड ऑफ न्यूज पेपर ! ओके...चलो इस खुशी में अपनी पत्नी के हाथ का बना डिनर कराता हूँ। सबेरे वापसी में हल्की-फुलकी दरी चादर का इंतजाम भी घर से ही करा दूंगा।...'-वह उत्साह से लवरेज बोलते चले गये।

वह रात मैंने उनके फ्लैट पर बिताई। उनकी पत्नी थोड़ी साँवली जरूर थीं, लेकिन निहायत खूबसूरत और गरिमापूर्ण थीं। डिनर के समय मेरी निगाह बार-बार उनकी तरफ चली जाती थी। अचानक नृपेन्द्र ने कहा-'ओ यूपी के राजपूत, तू बार-बार मेरी पत्नी को क्यूँ ताक रहा है...?'

मेरे ऊपर घड़ों पानी पड़ गया। शर्म और ग्लानि से मैं जड़ होने की स्थिति में आ गया था। तभी मन में सरस्वती का जागरण हुआ और मैं उबर गया। मेरे चेहरे की असहजता अचानक तिरोहित हो गई। हल्की मुस्कान के साथ मैंने कहा-'नृपेन्द्र भइया, क्या बताएं ? आप विश्वास करेंगे भी या नहीं, लेकिन असलियत यह है कि मेरी एक दीदी हैं, मौसी की लड़की शालिनी राठौड़, उनको और इन दीदी को साथ खड़ा कर देने पर यही लगेगा कि दोनों जुड़वा बहनें हैं...'

'क्या नाम बताए भैया, शालिनी राठौड़ ! मेरा भी मूल नाम यही है। शादी के बाद लड़कियों का गोत्र नाम बदल जाता है। इसलिए अब शालिनी परमार हूँ...!'-उनकी आवाज में खुशी और ताज्जुब की अजीब सी खनक थी।

मैंने मन ही मन इस तरह का संयोग बनने के लिए माँ सरस्वती का आभार व्यक्त किया। भोजन समाप्त कर बेसिन में हाथ धुलने के बाद सबसे पहले शालिनी का चरण स्पर्श किया-'दीदी, प्रणाम !'

सदा खुश रहो !-उन्होंने आशीर्वाद दिया था।

यह दीदी और भैया का यह रिश्ता खूब चला। सोमवार से शनिवार के बीच मैं मंदिर में रहता था। रविवार को वह कोई न कोई स्पेशल रसोईं करतीं और मुझे अपने फ्लैट पर आमंत्रित करती थीं। मैं 'नेशनल लेजेंड' में ढाई साल रहा, बीच में तीन बार गाँव आया था। वापसी में उनके लिए चावल के आंटे, बेसन और तिल के तीन तरह के लड्डू तथा पोपरा (सोंठ मेवा मिक्स गुड़) लेकर गया था।

वक्त बीता। राजनीतिक हलचलों के बीच कांग्रेस (आई) की चुनाव में पराजय हुई। इंदिराजी स्वयं हार गईं। जनता पार्टी की सरकार बनी, हमारी नियुक्तियों का सिलसिला शुरू हुआ। मेरे घर से तार गया-'कम सून। अपॉइंटमेंट इज अवाउट टू हैप्पन।'

मुझे याद है, जिस दिन मुझे घर के लिए निकलना था, शालिनी दीदी बड़ी दुखी लग रही थीं। छोटे भाई को अपने घर से विदा करने की जो लोक रीत प्रचलित है-कपड़ा, पैसा, रास्ते का खाना वगैरह देने की, दीदी ने सब कुछ किया था। नृपेन्द्र ने नई फिएट खरीदी थी। उस पर मुझे स्टेशन छोड़ने ले गए थे। एसी में रिजर्वेशन कराए थे। यहाँ तक कि ढाई साल में पहली बार मैंने उनके चेहरे पर गंभीरता की गहरी परत देखी थी।

बाद में हम लंबे समय तक चिट्ठी-पत्री से एक दूसरे की खोज-खबर लेते रहे...क्या समय था और कैसे-कैसे लोग थे...आज भी याद आते हैं...!

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

साधो देखो जग बौराना

मैं कल कबीर जयंती थी। यूँ कहें तो कबीर याने फक्कड़ फ़कीर, यूँ समझें तो कबीर याने दुनिया भर का अमीर। वस्तुत: कबीर को समझने के लिए पहले आवश्यक है यह समझना कि वस्तुतः हमें किसे समझना है। पाँच सौ साल पहले निर्वाण पाए एक व्यक्ति को या कबीर होने की प्रक्रिया को? दहन किये गए या दफ़्न किये गए या विलुप्त हो गये दैहिक कबीर को पाँच सदी की लम्बी अवधि बीत गई। अलबत्ता आत्मिक कबीर को समझने के लिए यह समयावधि बहुत कम है।

प्रश्न तो यह भी है कि कबीर को क्यों समझें हम? छोटे मनुष्य की छोटी सोच है कि कबीर से हमें क्या हासिल होगा? कबीर क्या देगा हमें? कबीर जयंती पर इस प्रश्न का स्वार्थ अधिक गहरा जाता है।

कबीर को समझने में सबसे बड़ा ऑब्सटेकल या बाधा है कबीर से कुछ पाने की उम्मीद। कबीर भौतिक रूप से कुछ नहीं देगा बल्कि जो है तुम्हारे पास, उसे भी छीन लेगा। पाने नहीं छोड़ने के लिए तैयार हो तो कबीर आत्मिक रूप से तुम्हें मालामाल कर देगा। आत्मिक रूप से मालामाल कर देने का एक अर्थ कबीर का ज्ञानी, पंडित, आचार्य, मौलाना, फादर या प्रीस्ट होना भी है। इन सारी धारणाओं का खंडन खुद कबीर ने किया, यह कहकर,

'मसि कागद छूयौ नहिं, कलम नहिं गहि हाथ।
कबीर दीक्षित है, शिक्षित नहीं।

कबीर अंगूठाछाप है। ऐसा निरक्षर जिसके पास अक्षर का अकूत भंडार है। कबीर कुछ सिखाता नहीं। अनसीखे में बसी सीख, अनगढ़ में छुपे शिल्प को देखने-समझने की आँख है कबीर। हासिल होना कबीर होना नहीं है, हासिल को तजना कबीर है। भरना पाखंड है, रीत जाना आनंद है। पाना रश्क है, खोना इश्क है,

हमन से इश्क मस्ताना, हमन को होशियारी क्या रहे।
आज़ाद या जग से, हमन को दुनिया से यारी क्या।

और जब इश्क या प्रेम हो जाए तो अनसीखा आत्मिक पांडित्य तो जगेगा ही,

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय।
ढाई आखर प्रेम का, पढ़ै सो पंडित होय।

कबीर सहज उपलब्ध है। कबीर होने के लिए, उसकी संगत काफी है। ओशो ने सहक्रमिकता के सिद्धांत या लॉ ऑफ सिंक्रोनिसिटी का उल्लेख कबीर के संदर्भ में किया है। किसी वाद्य के दो नग मंगाये जाएँ। कमरे के किसी कोने में एक रख दिया जाए। दूसरे को संगीत में डूबा हुआ संगीतज्ञ (ध्यान रहे, 'डूबा हुआ' कहा है, 'सीखा हुआ' नहीं) बजाए। सिंक्रोनिसिटी के प्रभाव से कोने में रखा वाद्य भी कसमसाने लगता है। उसके तार अपने आप कसने लगते हैं और वही धुन स्पंदित होने लगती है।

कबीर का सान्निध्य भीतर के वाद्य को स्पंदित करता है। भीतर का स्पंदन मनुष्य में मानुषता का सोया भाव जाग्रत कर देता है। जाग्रत अवस्था का मनुष्य, सच्चा मनुष्य हो जाता है और बरबस कह उठता है,

साँची कहौ तो मारन धावै झूँठे जग पतियाना।
साधो, देखो जग बौराना।

बोध कथा

राजा और पंडित

एक समय की बात है, गौंतूर नाम के एक गांव में एक पंडित जी रहा करते थे। उन्होंने एक साहूकार के पास 500 रुपये यह सोचकर जमा करा दिए कि जब उनकी बेटी की शादी होगी, तो ये पैसे उनके काम आएंगे। देखते ही देखते समय निकलता गया और बेटी शादी योग्य हो गई। पंडित जी ने अपनी बेटी के लिए योग्य वर देखना शुरू कर दिया। उन्हें अपनी पुत्री के लिए एक लड़का पसंद भी आया, जिसके बाद पंडित जी साहूकार के पास अपने पैसे लेने गए। साहूकार ने उन्हें पैसे देने से इंकार करते हुए कहा- मेरे पास आपने कोई पैसे जमा नहीं कराए। आपके पास क्या सबूत है कि आपने मेरे पास पैसे रखे थे। क्या आपके पास उसका कोई लिखित प्रमाण है?

साहूकार की ये बातें सुनकर पंडित जी परेशान हो जाते हैं और वे समझ जाते हैं कि साहूकार ने उनके पैसे हड़प लिए हैं। एक दिन पंडित जी मंदिर से घर लौट रहे थे तभी उनके दिमाग में विचार आया कि उन्हें उस साहूकार की शिकायत राजा से करनी चाहिए। हो सकता है राजा इस परेशानी का कोई हल निकाल दें।

पंडित जी बिना देरी किए राजा से मिलने के लिए पहुंच गए और वहां जाकर उन्होंने अपनी परेशानी राजा के सामने रखी। पंडित जी की बात सुनकर राजा ने कहा कि कल नगर के लिए हमारी सवारी निकलेगी, तुम उस समय उस साहूकार की दुकान के सामने जाकर खड़े हो जाना। राजा की बात सुनकर पंडित जी अपना झोला उठाकर घर को निकल गए। अगले दिन राजा की सवारी निकली। नगरवासियों ने उन्हें फूलों की माला पहनाई व आरती उतारी। पंडित जी राजा के कहे अनुसार उस दुकान के सामने खड़े हो गए। राजा की सवारी साहूकार की दुकान के सामने आई, तो राजा ने पंडित जी को देखाकर प्रणाम किया और उनसे कहा कि आप यहां क्या कर रहे हैं। आप हमारे गुरू हैं, आप हमारे साथ बग्घी में चलिए। पंडित के बग्घी में बैठने के बाद साहूकार ने राजा की पूजा की और उन्हें फूलों की माला पहनाई।

उसके बाद राजा की बग्घी आगे बढ़ गई। पंडित जी को कुछ दूर आगे जाने के बाद राजा ने बग्घी से उतार दिया और बोला कि मैंने अपना काम कर दिया है। अब आगे देखों क्या होता है। पंडित और राजा के संबंध को देखकर साहूकार सोच में पड़ गया और उसे घबराहट होने लगी कि कही पंडित उसकी शिकायत राजा से न कर दे। वह घर जाकर रात भर सो नहीं पाया।

सुबह दुकान पर जाकर सबसे पहले साहूकार ने अपने मुनीम को पंडित जी को सह सम्मान दुकान में लाने के लिए कहा। मुनीम पंडित जी को ढूंढने निकल गया। कुछ देर बात पंडित जी उसे नगर में एक पेड़ की छाव में आराम करते हुए नजर आए। मुनीम ने पंडित जी को कहा कि साहूकार ने उनको दुकान में लेकर आने के लिए भेजा है। मुनीम, पंडित जी को सम्मान के साथ दुकान लेकर जाता है। साहूकार पंडिज जी को आदर सम्मान के साथ बिठाते हुए कहता है- मैंने पुराने खाते की अच्छी तरह जांच की और उसमें आपने मुझे पांच सौ रुपए दिए थे, इसकी जानकारी मिली है। यह पैसा पीछे दस सालों से मेरे पास जमा है, जिस वजह से इसका ब्याज मिलाकर यह बारह हजार पांच सौ रूपए हो गए हैं। फिर साहूकार उन्हें तेरह हजार पांच सौ रुपए देता हुए कहता है कि आपकी बेटी मेरी भी बेटी की तरह है, तो ये एक हजार रुपए मेरी तरफ से उसकी शादी के लिए हैं। साहूकार ने पंडित जी को तेरह हजार पांच सौ रुपए देकर बड़े ही प्रेम के साथ विदा किया। इस तरह पंडित जी को उनके अपने पैसों के साथ ही उसका ब्याज और शादी के लिए साहूकार की तरफ से एक हजार रुपये अतिरिक्त मिल गए।

वीर गाथा

भीम बहादुर थापा: लक्ष्य तक पहुंचने के लिए बढ़ाते रहे हौसला, 21 बलिदानियों में हुए शामिल

पैराट्रूपर भीम बहादुर थापा का जन्म नेपाल के धीरकोट जिले के मोचा बारी गांव में हुआ था। वे अपनी प्रारंभिक शिक्षा के बाद सेना में भर्ती हो गए थे। उन्हें भारतीय सेना की पैराशूट रेजिमेंट में शामिल किया गया था। बाद में उन्हें 4 पैरा (एसएफ) में भेजा गया।

साल 1971 में भारत-पाक युद्ध हुआ था, जो 16 दिसंबर को बांग्लादेश की स्वतंत्रता और हमारी निर्णायक विजय के साथ समाप्त हुआ था। इससे बौखलाए पाकिस्तान ने राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में स्थित नागी गांव के एक टीले पर कब्ज़े का दुस्साहस किया था।

दरअसल पाकिस्तानी फौजी अधिकारियों को अपने मुल्क में खूब शर्मिंदगी उठानी पड़ रही थी। लिहाजा वे ऐसा कदम उठाना चाहते थे, जिससे वहां उनकी खूब वाहवाही हो। इधर, पाकिस्तानी हरकत की सूचना मिलते ही भारतीय सेना को आदेश दिया गया कि वह दुश्मन को मार भगाए।

27 दिसंबर को जवाबी हमला होना था। थापा भी उस टीम में शामिल थे। देर रात 4 पैरा की सी कंपनी ने जोरदार हमला बोला। भारी हथियारों से लैस दुश्मन ने भी भारतीय जवानों की ओर अंधाधुंध गोलाबारी की।

भारतीय जवानों ने इसका दृढ़ता से सामना किया और लक्ष्य की ओर बढ़े। अब भारतीय सेना ने भी तोपखाने से जोरदार जवाब देना शुरू कर दिया था। वहीं, इंजीनियर्स कोर के विशेषज्ञों ने बारूदी सुरंगों का पता लगाकर उन्हें निष्क्रिय कर दिया।

थापा अपने जवानों का हौसला बढ़ा रहे थे। वे जल्द लक्ष्य तक पहुंचकर वहां तिरंगा फहराना चाहते थे। उनकी सैन्य सूझबूझ के कारण पाकिस्तान के कई फौजी ढेर हो गए थे। आखिरकार 28 दिसंबर को सुबह 6 बजे उस इलाके पर भारतीय सेना का फिर से कब्जा हो गया। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में भारत के 21 वीरों ने बलिदान दिया, जिनमें भीम बहादुर थापा भी शामिल थे। हम समस्त देशवासी पैराट्रूपर भीम बहादुर थापा और उन बलिदानी जवानों को नमन करते हैं।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष

‘मैं तब तक योग सिखाती रहूंगी, जब तक मेरी सांसें चलेंगी’

ताओ पोर्चोन-लिंच ने योगाभ्यास से पाई थी दीर्घायु
101 साल तक जीवित रहकर दिया था योग का दिव्य संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। हमारे देश की सांस्कृतिक-आध्यात्मिक परंपराओं में अपने प्रियजन के लिए दीर्घायु या शतायु होने की कामना करने का विशेष महत्त्व है। योगशास्त्र के इतिहास में तो ऐसे अनेक योगियों का उल्लेख मिलता है, जिन्होंने सौ साल से ज्यादा उम्र पाई थी। ताओ पोर्चोन-लिंच भी एक प्रख्यात योगी थीं, जिन्होंने उम्र का शतक लगाया था। उन्होंने इस संसार में 101 साल तक जीवित रहकर यह संदेश दिया कि प्रकृति के अनुकूल जीवन और योगाभ्यास से दीर्घायु की प्राप्ति हो सकती है।

पोर्चोन का जन्म 13 अगस्त, 1918 को इंग्लिश चैनल के बीच एक जहाज पर हुआ था। उनके पिता फ्रांस से थे, जबकि मां भारत के मणिपुर से थीं। जब पोर्चोन सात महीने की थीं, उनकी मां की मृत्यु हो गई। उसके बाद उनका पालन-पोषण चाची और चाचा ने किया था। उनके चाचा रेलमार्ग डिजाइन करते थे, जो उन्हें कई देशों की यात्राओं पर साथ लेकर जाते थे। उस परिवार के पास फ्रांस में अंगूर के बाग थे।

पोर्चोन ने आठ साल की उम्र में भारत में पुडुचेरी के समुद्र तट पर युवाओं के एक समूह को योगाभ्यास करते देखा था। यह पहली घटना थी, जब पोर्चोन की योग में रुचि पैदा हुई। उनकी चाची का कहना था कि योग मुख्यतः पुरुषों के लिए है। हालांकि पोर्चोन ने उनकी सलाह के विपरीत योगाभ्यास में रुचि लेनी शुरू कर दी थी। वे धीरे-धीरे इसमें निपुण होती गईं। उन्होंने महात्मा गांधी के साथ दो अलग-अलग मौकों पर मार्च भी किया था। पोर्चोन अभिनय के क्षेत्र में कार्यरत थीं, लेकिन विवाह के बाद इसे छोड़ दिया और अपना जीवन योग को समर्पित कर दिया। उन्होंने महर्षि अरविंद और इंद्रा देवी से भी योग की शिक्षा प्राप्त की थी। जैक लालेन, जो अमेरिका में फिटनेस के गॉडफादर और पोषण गुरु माने जाते थे, ने उनसे योगाभ्यास सीखा था। पोर्चोन साल 1976 में योग शिक्षक गठबंधन की संस्थापकों में से एक बनीं, जो अब योग शिक्षक संघ के रूप में जाना जाता है। उन्होंने न्यूयॉर्क में योगाभ्यास सिखाना शुरू किया और साल 1982 में वेस्टचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ योगा की स्थापना की।

वे उम्र बढ़ने के बावजूद पूरी तरह सक्रिय रहीं। उनका यह कहना प्रसिद्ध है- ‘मैं तब तक योग सिखाती रहूंगी, जब तक मेरी सांसें चलेंगी।’ उन्हें मई 2012 में बर्नीस बेट्स से विश्व की सबसे बुजुर्ग योग शिक्षिका का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का खिताब मिला था। उन्होंने ’रिफ्लेक्शंस: द योगिक जर्नी ऑफ लाइफ’ पुस्तक लिखी थी। उन्होंने स्वस्थ जीवन का रहस्य बताते हुए कहा था, ’जब मैं सुबह उठती हूं तो सूरज की ओर देखती हूं और कहती हूं- ’यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा दिन होगा’ और ऐसा ही होगा। यह हमेशा होता है। ... सांस हमें सिखाती है - इसे सुनें। अपने फेफड़ों को बाहर की ओर फैलते हुए महसूस करें, अपने हाथों को छत की ओर, ऊपर की ओर खींचें और वहां ऊर्जा को महसूस करें। जीवन की सांस अंदर लें और शांति की सांस बाहर छोड़ें।’ पोर्चोन को योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए साल 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। वे 21 फरवरी, 2020 को भौतिक देह त्याग कर ब्रह्मलीन हो गईं।

पुराने दर्द को दूर करने में भी योगाभ्यास बड़ा असरदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। योग का उद्देश्य क्या है? हर योगाभ्यासी के लिए इसका उत्तर अलग-अलग हो सकता है। अमेरिका के कैलिफोर्निया में पारिवारिक चिकित्सक और कुंडलिनी योग प्रशिक्षक नताली नेविंस का कहना है कि योग का उद्देश्य मन और शरीर दोनों में शक्ति, जागरूकता और सामंजस्य का निर्माण करना है।

डॉ. नेविंस कहती हैं, ’एक चिकित्सक के रूप में, मैं निवारक दवा के अलावा अभ्यासों और शरीर की खुद को ठीक करने की क्षमता पर अपना सारा ध्यान केंद्रित करती हूं।’

वे बताती हैं कि योग स्वस्थ रहने के लिए एक बेहतरीन माध्यम है, क्योंकि यह वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित है। उनके अनुसार, ’योग में शामिल विश्राम तकनीकें पुराने दर्द, जैसे- पीठ के निचले हिस्से में दर्द, गठिया, सिरदर्द और कार्पल टनल सिंड्रोम को कम कर सकती हैं।’ वे बताती हैं कि योग रक्तचाप और निद्रा से संबंधित समस्याओं को भी कम कर सकता है। डॉ. नेविंस ने अपने अनुभव से पाया कि नियमित योगाभ्यास हमें ये फायदे देता है-

- लचीलापन बढ़ाता है।
- मांसपेशियों की ताकत बढ़ाता है।
- श्वसन, ऊर्जा और जीवन शक्ति में सुधार लाता है।
- संतुलित चयापचय बनाए रखने में मददगार है।
- योगाभ्यास वजन घटाने में असरदार है।
- कार्डियो और रक्त संचार के संबंध में लाभदायक है।
- खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार ला सकता है।
- चोट लगने पर शीघ्र स्वास्थ्य-लाभ को संभव बनाता है।

योग ने इस गांव की गरीबी कर दी दूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। योग शरीर को निरोग रखने के साथ ही गरीबी निवारण में बहुत असरदार साबित हो सकता है। जी हां, एक गांव में ऐसा प्रयोग किया गया, जो बहुत सफल रहा है। पड़ोसी देश चीन, जिसका सरकारी रवैया तो भारत के खिलाफ रहा है, लेकिन वह अपने फायदे के लिए योग का भरपूर इस्तेमाल कर रहा है। आज उसके एक गांव को देखने के लिए देश-विदेश से लोग आ रहे हैं, जिससे ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है। इस गांव को योगियों का गांव कहा जाने लगा है। योग भारत से चीन पहुंचा, जहां दूर-दराज के गांवों के लोग इसकी शक्ति से स्वस्थ और संपन्न हो रहे हैं। अगर हम भी योग के लिए समर्पण दिखाएं तो बीमारी, बेरोजगारी, गरीबी समेत कई समस्याएं दूर कर सकते हैं।

उत्तरी चीन के एक इस पहाड़ी गांव में चाहे धूप हो या बारिश, लोगों का एक समूह हर दिन योग का अभ्यास करने के लिए चौराहे पर इकट्ठा होता है। यह हेबेई प्रांत के गांव युगोलियांग का एक दृश्य है। लगातार योगाभ्यास के माध्यम से इन ग्रामीणों ने न केवल अपना शारीरिक लचीलापन और मनोबल बढ़ाया है, बल्कि गरीबी पर काबू पाने और समृद्धि पाने का एक अनूठा मार्ग भी खोज लिया है। युगोलियांग गांव दूर-दराज के इलाके में स्थित है और यहां केवल 100 स्थायी निवासी हैं, जिनमें कई बुजुर्ग हैं। पहले यहां लोग काफी कमजोर थे। वे अक्सर बीमार रहते थे। एक बार गरीबी उन्मूलन अधिकारी लू वेनझेन ने उन्हें योगाभ्यास के बारे में जानकारी दी। शुरुआत में, लू ने यहां के खेतों में उगाए गए आलू को सोशल मीडिया पर बेचने में निवासियों की मदद की। चूंकि गरीबी दूर करने के लिए एक अभिनव तरीके की जरूरत थी। ऐसे में लू को एहसास हुआ कि योग इसका एक हिस्सा हो सकता है। कुछ समय तक योग का अभ्यास करने के बाद यहां के निवासियों ने स्वयं को अधिक ऊर्जावान और अपने खेती के कार्यों में अधिक कुशल पाया। इससे उन्हें कई फायदे भी हुए। उनके स्वास्थ्य में सुधार के कारण चिकित्सा खर्च कम हो गया। गांव की बढ़ती प्रतिष्ठा के कारण पर्यटक यहां आने लगे हैं। वे लोगों से सामान खरीदते हैं, जिससे ग्रामीणों की कमाई बढ़ रही है। साल 2017 में इसे ’योग गांव’ का खिताब दिया गया था। हमारे ऋषियों-मुनियों के इस दिव्य ज्ञान का उपयोग हम अपने गांवों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कब करेंगे?

तन और मन में संतुलन लाता है अनुलोम-विलोम

शरीर के कई रोग दूर होते हैं, मन को शांति मिलती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अनुलोम-विलोम को सबसे सरल प्राणायाम माना जाता है। इसे हर उम्र के योगाभ्यासी कर सकते हैं। यह तन और मन में संतुलन लाता है। इससे शरीर के कई रोग दूर होते हैं, वहीं मन को शांति मिलती है। अनुलोम-विलोम करने से नाड़ियों का शोधन होता है। इससे व्यक्ति श्वास संबंधी रोगों, कब्ज, अनिद्रा, अत्यधिक थकान आदि से राहत पाता है। कई योगाभ्यासियों ने पाया है कि अपनी दिनचर्या और खानपान में सुधार करने के साथ अनुलोम-विलोम किया जाए तो मधुमेह में काफी आराम मिलता है। इससे पेट की अनावश्यक चर्बी दूर होती है।

कैसे करें अनुलोम-विलोम?

- सबसे पहले ध्यान मुद्रा में बैठ जाएं।
- अब बाएं हाथ से ज्ञान मुद्रा बनाएं।
- दाएं हाथ के अंगूठे से दाईं नासिका को बंद करें और बाईं नासिका से धीरे-धीरे सांस अंदर खींचें।
- सांस अंदर भरें तब पेट फुलाएं और फिर छाती फुलाएं।
- कुछ क्षण बाद बाईं नासिका बंद करें और दाईं नासिका से सांस छोड़ें।
- इस दौरान छाती से हवा बाहर आएगी। उसके बाद पेट अंदर जाएगा।
- अब आगे इसी प्रक्रिया को दोहराएं।

ये रखें सावधानियां

- सांस लेते और छोड़ते समय आवाज़ नहीं होनी चाहिए।
- अभ्यास के दौरान ज्यादा समय तक सांस न रोकें।
- शुरुआत में अनुलोम-विलोम का अभ्यास पांच मिनट तक करें। बाद में इसे दस मिनट तक कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम सुबह खाली पेट करना लाभदायक होता है।
- जल्दबाजी में अभ्यास नहीं करना चाहिए।
- जिन्हें कमजोरी महसूस हो रही है, वे ज्यादा जोर से सांस न खींचें।
- जहां आटा, सीमेंट, धूल या किसी अन्य वस्तु के बारीक कण हवा में उड़ रहे हों, वहां अनुलोम-विलोम न करें।
- जहां वातावरण में धुआं फैला हो, वहां भी इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए।

ये होते हैं लाभ

- यह श्वसन तंत्र, हृदय, पाचन तंत्र को लाभ पहुंचाता है।
- इससे शरीर में नई ऊर्जा आती है।
- रक्त परिसंचरण सुधरता है।
- मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है।
- यह मधुमेह के रोगियों के लिए वरदान माना जाता है।
- यह प्राणायाम सिरदर्द, चर्म रोग, कमजोर प्रतिरोधक क्षमता में लाभदायक है।
- इसके निरंतर अभ्यास से याददाश्त अच्छी होती है।

‘एग्जिट पोल’ के गलत होने पर प्रदीप गुप्ता ने कहा : उप्र को हल्के में लेना हमें भारी पड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। ‘एक्सिस माई इंडिया’ के प्रमुख प्रदीप गुप्ता ने अपने ‘एग्जिट पोल’ के गलत होने के लिए ‘निर्णय की त्रुटि’ को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि चुनाव के अंतिम तीन चरणों में उत्तर प्रदेश को हल्के में लेना उन्हें भारी पड़ा। गुप्ता ने कहा कि ओडिशा के चुनावों में पूर्व के सर्वेक्षणों के गलत साबित होने की वजह से उन्होंने अपने शीर्ष संसाधनों को उत्तर प्रदेश से हटाकर देश के पूर्वी राज्य (ओडिशा) में लगा दिया था। ‘एक्सिस माई इंडिया’ के ‘एग्जिट पोल’ ने लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन को 361-400 सीट मिलने का अनुमान जताया था, जिसमें उत्तर प्रदेश की कुल 80 में से 67 सीट पर संभावित जीत शामिल थी, लेकिन वास्तविक चुनाव परिणामों में भाजपा को 240 सीट मिलीं और वह अपने दम पर बहुमत के आंकड़े से चूक गई। इसने विपक्षी गठबंधन ‘इंडिया’ को 131-166 सीट मिलने का अनुमान जताया था।

उत्तर प्रदेश भाजपा के लिए सबसे बड़ा उलटफेर वाला राज्य साबित हुआ, जहां उसे सिर्फ 33 सीट मिलीं। गुप्ता ने यहां संपादकों के साथ बातचीत में कहा कि ‘एक्सिस माई इंडिया’ के ‘एग्जिट पोल’ का अनुमान व्यक्त करने का तरीका गलत नहीं हुआ, बल्कि महत्वपूर्ण राज्यों में संसाधनों की तैनाती गलत हुई। उन्होंने कहा, हमारे पास चुनावों का अनुमान व्यक्त करने के लिए एक अचूक पद्धति है... यह हमारी पद्धति नहीं थी, जो गलत हुई। मैंने अपने वरिष्ठ संसाधनों की तैनाती में गलती की और उत्तर प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण राज्यों को हल्के में लिया। ऐसा कहा जाता है कि दिल्ली (केंद्र) में सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। यह एक सबक है कि ‘एग्जिट पोल’ के मामले में कभी भी किसी राज्य को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, हालांकि, राजग (भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) ने सरकार बनाई, लेकिन हमने जो सीट का अनुमान जताया था और भाजपा को वास्तव में मिली सीट की संख्या में बहुत बड़ा अंतर था। हम गलत साबित हुए। तीन राज्य जहां हम बुरी तरह से गलत साबित हुए, वे थे- उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र। गुप्ता ने संसाधनों की तैनाती सहित अपनी गलतियों के बारे में अपने विश्लेषण को स्पष्ट करते हुए कहा, उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्से में सीट में काफी अंतर था। अस्सी में से 41 सीट पर पांचवें, छठे और सातवें चरण में मतदान हुआ। उसी दौरान हरियाणा और दिल्ली में एक ही चरण में चुनाव हुए, जबकि पंजाब और हिमाचल प्रदेश में सातवें चरण में। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ कि ओडिशा और झारखंड में भी इन चरणों में मतदान हुआ।

गुप्ता ने कहा, आमतौर पर, अन्य राज्यों के चुनाव शुरुआती चरणों में समाप्त हो जाते थे और अंतिम चरण में पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश में चुनाव होते थे। दिल्ली में भी राजनीतिक परिदृश्य ऐसा था कि अरविंद केजरीवाल चुनाव से ठीक पहले जेल से बाहर आए थे। आम आदमी पार्टी का प्रभाव भी इन तीन राज्यों में ही होना था। उन्होंने कहा, वर्ष 2019 में, हमने सही अनुमान व्यक्त किया था। हम इस बार ओडिशा को लेकर ज्यादा सावधान थे, ताकि पिछली बार की तरह कोई चूक न हो जाए।

गुप्ता ने कहा कि पिछले चार चुनाव में उत्तर प्रदेश के लिए हमारे अनुमान एकदम सटीक थे और हमने अपने बेहतरीन संसाधनों को उत्तर प्रदेश में नहीं लगाया। पांचवें, छठे और सातवें चरण में भी हमने ऐसा ही किया और यहीं पर मुझसे गलती हुई। उन्होंने कहा, यह निर्णय की त्रुटि थी। पचपन वर्षीय गुप्ता उस वक्त विवादों में घिर गये, जब विपक्ष ने आरोप लगाया कि उन्होंने शेयर बाजार को प्रभावित करने के लिए जानबूझकर भाजपा की जीत का अनुमान जताया। ‘एग्जिट पोल’ की घोषणा के बाद शेयर बाजार ने जबरदस्त छलांग लगाई थी और रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया था तथा मतगणना के दिन यह धड़ाम से गिर गया। उन्होंने कहा, विभिन्न राज्यों में पर्यवेक्षकों, प्रशिक्षकों या कोच के रूप में 31 संसाधन भेजे गए, जबकि उत्तर प्रदेश में किसी को नहीं भेजा गया और यहीं पर हमसे गलती हुई। हमने उत्तर प्रदेश के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को भी बंगाल भेजा था, लेकिन राजनीतिक हिंसा के कारण वहां साक्षात्कार की दर कम थी और इससे फर्क पड़ा।

उन्होंने कहा, वर्ष 2024 के चुनाव हमारे लिए एक सीख हैं कि किसी भी राज्य को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए, खासकर उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को। गुप्ता ने कहा, चौसठ करोड़ मतदाताओं में से हमने 5.82 लाख मतदाताओं से बात की, जो एक प्रतिनिधित्व करने वाला नमूना आकार है। हमने 3,607 विधानसभा क्षेत्रों और 22,000 से अधिक गांवों को कवर किया। हमारे ऑन-ग्राउंड साक्षात्कारों की निगरानी एक टीम द्वारा की जाती है, किसी भी हेरफेर या पक्षपात की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा, सभी ‘एग्जिट पोल’ कंपनियों ने इस बार इसी तरह के दावे किए। हम हमेशा अलग होते हैं, लेकिन इस बार हमने भी उनकी तरह अनुमान व्यक्त किया और यहीं हमने अवसर खो दिया... और यहीं हम गलत हो गए। गुप्ता के हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से लौटने के बाद 2013 से ही ‘एक्सिस माई इंडिया’ ‘एग्जिट पोल’ कर रहा है और उनका दावा है कि 69 में से 65 चुनावों में सही अनुमान जताने का उनका रिकॉर्ड रहा है।

चुनाव के बीच में ही ‘एक्सिस माई इंडिया’ द्वारा किया गया एक कथित सर्वेक्षण लीक हो गया था, जिसमें कहा गया था कि भाजपा के 13 राज्यों में अपनी स्थिति सुधार पाने की कोई संभावना नहीं है और वह पिछली बार जीती गईं कुछ सीट गंवा देगी। गुप्ता ने इस सर्वेक्षण को फर्जी बताकर खारिज कर दिया था। हालांकि, जब नतीजे सामने आए तो वे उस सर्वेक्षण के करीब थे, जिससे संदेह पैदा हुआ।

एअर इंडिया की उड़ान में बम विस्फोट मामले की जांच अब भी जारी है : कनाडा पुलिस

ओटावा। कनाडा की पुलिस ने कहा है कि एअर इंडिया की उड़ान संख्या-182 को बम से उड़ाने की जांच अब भी जारी है। पुलिस ने इसे आतंकवाद के मामले की सबसे लंबी और सबसे जटिल जांच में से एक बताया है। पुलिस ने यह टिप्पणी विमान को बम से उड़ाने के 39 साल पूरे होने से तीन दिन पहले की है। मॉन्ट्रियल-नयी दिल्ली एयर इंडिया ‘कनिष्क’ उड़ान संख्या-182 में 23 जून 1985 को लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने से 45 मिनट पहले विस्फोट हो गया, जिससे विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गए थे। इनमें ज्यादातर भारतीय मूल के कनाडाई थे।

यह बम सिख आतंकवादियों ने ‘ऑपरेशन ब्लू स्टार’ के जवाब में रखा था। यह अभियान अमृतसर में स्वर्ण मंदिर को आतंकवादियों से मुक्त कराने के लिए 1984 में चलाया गया था। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के सहायक आयुक्त डेविड टेबौल ने एक बयान में कहा कि बम विस्फोट की यह वारदात देश के इतिहास में कनाडाइयों की जान लेने वाली और उन्हें प्रभावित करने वाली आतंकवाद संबंधी सबसे भयावह घटना है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। टेबौल ने कहा कि एअर इंडिया बम विस्फोट मामले की तफ्तीश देश के इतिहास में सबसे लंबी और घरेलू आतंकवाद से संबंधित सबसे जटिल जांच में से एक है। उन्होंने कहा, घटना संबंधी जांच के हमारे प्रयास सक्रिय रूप से जारी हैं।

पश्मीना ने बताया क्यों अपने ताऊ राकेश रोशन से फिल्म में भूमिका देने को नहीं कहा ?

मुंबई। ‘इश्क विश्क रिबाउंड’ से सुनहरे पर्दे पर अपना सफर शुरू कर रहीं पश्मीना रोशन का कहना है कि फिल्म उद्योग में काफी कुछ दांव पर लगा होता है और आप बाहर से हों या उद्योग से ताल्लुक रखते हों इससे खास फर्क नहीं पड़ता, एक नये कलाकार को यह दिखाना होगा कि वह अवसर पाने के काबिल है।

वह रोहित सराफ, जिबरान खान और नैला ग्रेवाल के साथ इस युवा वयस्क रोमांस में अभिनय के रंग बिखेरती नजर आएंगी। यह 2003 में आयी रोमांटिक कॉमेडी ‘इश्क विश्क’ की दूसरी किस्त है, जिसमें शाहिद कपूर, अमृता राव और शेनाज ट्रेजरी ने अभिनय किया था। पश्मीना संगीतकार राजेश रोशन की बेटी और फिल्म निर्माता राकेश रोशन की भतीजी हैं। पश्मीना से जब पूछा गया कि क्या उन्होंने कहो ना प्यार है, क्रिश श्रृंखला जैसी फिल्म के लिए माने जाने वाले उनके ताऊ राकेश रोशन से संपर्क किया, इस पर अभिनेत्री ने कहा कि यह इतना आसान नहीं है।

लॉस एंजिल्स 2024 के इंडियन फिल्म फेस्टिवल के लिए जूरी में शामिल हुईं श्रिया पिलगांवकर

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस श्रिया पिलगांवकर को लॉस एंजिल्स के इंडियन फिल्म फेस्टिवल (आईएफएफएलए) के 2024 एडिशन में शॉर्ट्स कैटेगरी के लिए जूरी पैनल में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है। श्रिया ने कहा, मुझे लॉस एंजिल्स 2024 के इंडियन फिल्म फेस्टिवल में शॉर्ट्स फिल्म कैटेगरी के लिए जूरी सदस्य के तौर पर आमंत्रित किया गया है। इससे मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं फेस्टिवल में हिस्सा लेने और उभरते साउथ एशियन फिल्ममेकर्स द्वारा इन शानदार शॉर्ट्स फिल्मों को देखने के लिए एक्साइटिड हूं।’’ एक्ट्रेस ने कहा, फिल्म फेस्टिवल का माहौल हमेशा क्रिएटिविटी से भरा होता है। मैं अलग-अलग कहानीकारों और कलाकारों से मिलने और बातचीत करने तथा आईएफएफएलए में फिल्मों की लाइनअप को देखने के लिए बेहद एक्साइटिड हूं। श्रिया को 2018 में ’मिर्जापुर’ में देखा गया था। सीरीज में उन्होंने स्वीटी का किरदार निभाया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। इसके अलावा, वह ’गिल्टी माइंड्स’, ’ताजा खबर’ और ’द ब्रोकन न्यूज 2’ जैसी सीरीज के लिए भी जानी जाती हैं। उन्होंने साल 2016 में शाहरुख खान की फिल्म ’फैन’ से बॉलीवुड में डेब्यू किया। श्रिया ने इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स में भी अपनी पहचान बनाई है। वह गुरिंदर चड्ढा द्वारा निर्देशित ब्रिटिश सीरीज ’बीचम हाउस’ और दिग्गज फिल्म निर्माता क्लाउड लेलौच की फ्रेंच फिल्म ’अन प्लस उन’ में नजर आई हैं।

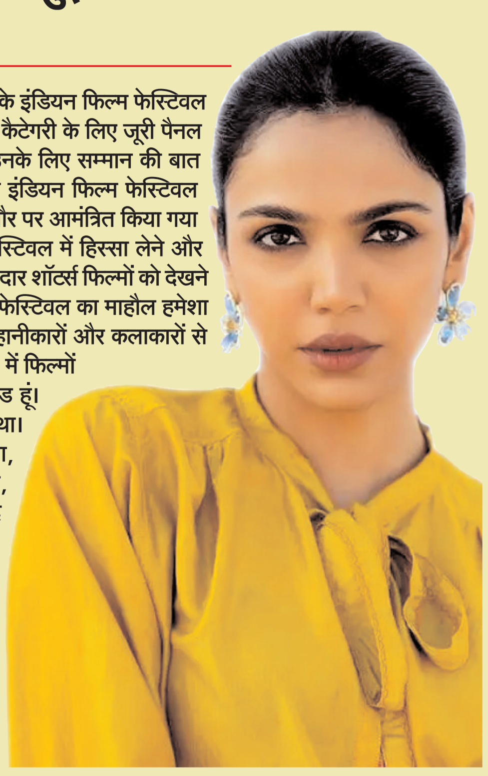

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

हमें अपनी कमजोरियों से लड़ना, आत्मा में लगे हुए कर्मों से लड़ना अत्यंत कठिन है। हमने मोक्ष के प्रेमियों को अपने कर्मों से लड़ते हुए देखा है। सोचो, कैसा उन महापुरूषों का पुरुषार्थ रहा होगा। बाहर वालों से लड़ने के लिए हमारे पास ताकत बहुत है लेकिन हमारे अंदर की कमजोरियों से निपटने में हम कमजोर है। चूंकि कमजोरियों से लड़ने के साधन बहुत कम है। इसका जुगाड़ स्वयं को करना पड़ता है। उन्होंने कहा कभी-कभी बच्चों को समझाना आसान है लेकिन यदि बड़े लोग बच्चों जैसी हरकत करेंगे तो उन्हें कौन समझा सकता है।

सुराणा स्कूल में विश्व योग दिवस और बैज वितरण समारोह हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के साहुकारपेट स्थित जवंतराज तेजराज सुराणा जैन विद्यालय में विश्व योगदिवस एवं बैज वितरण समारोह का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इस मौके पर क्रिकेट खिलाड़ी मिस कीर्तिन्रा और योगवीरा ईशा फाउन्डेशन के हरीहरन मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस खास अवसर पर आदिनाथ, नेमिनाथ, पार्श्वनाथ, शांतिनाथ चारों टीम के ध्वज की छत्रछाया में स्कूल पीपल लीडर, असिस्टेंट स्कूल पीपल लीडर, स्पोर्ट्स सेक्रेट्री, असिस्टेंट स्पोर्ट्स सेक्रेट्री, कल्चरल सेक्रेट्री, असिस्टेंट कल्चरल सेक्रेट्री सहित चारों हाउस टीम आदिनाथ, नेमिनाथ, पार्श्वनाथ, शांतिनाथ के टीम कैप्टंस, असिस्टेंट कैप्टंस ने सेवा,सत्य, त्याग, निष्ठा, सहयोग की भावना के साथ जिम्मेदारी और कर्तव्य पालन की शपथ लेते हुए प्राप्त किए अपने लीडरशिप बैच दिए गए। हरिहरन ने योगाभ्यास पर बल दिया।

महावीर जैन ग्रुप द्वारा शिक्षा सामग्री वितरण कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पालवेदु गाँव स्थित उधवुम ननबरगल स्कूल के विद्यार्थियों के लिए महावीर जैन ग्रुप द्वारा पाठ्यपुस्तक, नोटबुक, स्कूल बैग, पानी की बोतल, गुड हैबिट ड्रॉइंग बुक, पेन-पेंसिल किट, स्कूल के सभी अध्यापकों के लिए यूनिफॉर्म के तौर पर साड़ियाँ और स्कूल के लिए टाई का वितरण किया गया।

इस अवसर पर स्कूल के प्रमुख पार्थसारथी ने स्वागत किया। इस समूह के अध्यक्ष डॉ. निर्मला वसंत छल्लाणी ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहित करना और उनके शैक्षिक साधनों को बेहतर बनाना है।

इस कार्यक्रम में महेंद्र रांका और विमला रांका की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ललित जैन, माला गुप्ता, साधना और दीपक जैन, वशंत छल्लाणी का सहयोग रहा। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनोधिनी ने विशेष रूप से धन्यवाद दिया।

ब्लड़ डोनेशन केम्प का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ युवक परिषद् चेन्नई द्वारा पूरे जून माह में विभिन्न स्थानों पर 'मेगा ब्लड़ डोनेशन ड्राइव 2024' के अन्तर्गत केम्पों का आयोजन किया जा रहा है। तेयुप सदस्यों के साथ अनेकों सामाजिक कार्यकर्ता इस मुहिम में जुड़े हुए हैं। 1 जून से प्रारम्भ अभी तक 21 जगहों पर केम्पों का आयोजन किया जा चुका है। जिसमें लगभग 500 से अधिक यूनिट रक्त का संग्रहण हुआ।

इसी कड़ी में चेन्नई शहर के मदीपकम क्षेत्र में संतोष फैन हाउस में तेयुप के साथ मिलकर-माली समाज से सेवाभावी सुखलाल माली चेनाराम, मनोहर और सुनील सैनी ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया और 28 यूनिट संग्रह किया गया। तेयुप अध्यक्ष संदीप मुथा और निवर्तमान अध्यक्ष दिलीप गेलडा ने सभी का सम्मान किया।

पूरे माह चलने वाले इस अभियान में पिपली निवासी, चेन्नई प्रवासी महावीर कुमार, राजेश कुमार अजीत कुमार बोहरा परिवार का अनुकरणीय योगदान तेयुप को मिला हुआ है। चेन्नई ब्लड़ बैंक, इण्डियन वोलेंट्री ब्लड़ बैंक की टीमों का मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के रक्त संग्रहण में योगदान प्राप्त हो रहा है।

योग दिवस — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के आरएस पुरम् स्थित नेहरू विद्यालय प्रांगण में शुक्रवार को सुबह अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर योग और प्राणायाम का आयोजन किया। इस मौके पर शहर के सहायक कलेक्टर अंकित कुमार जैन ने कार्यक्रम में भाग लेकर योगाभ्यास किया। सभी का स्वागत स्कूल के उपाध्यक्ष कमलेश बाफना ने किया। योगभ्यास शंकरलाल पटेल और किशोर जैन ने करवाया।

आचार्य रत्नचन्द्र का स्मृति दिवस तप त्याग से मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आचार्य श्री रत्नचन्द्रजी म. सा. का स्मृति दिवस, तप त्याग पूर्वक गुणगान के साथ साहुकारपेट के स्वाध्याय भवन में जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के द्वारा मनाई गई। वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने जम्बू चारित्र का वांचन किया। श्रावक संघ, तमिलनाडु के कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने राजस्थान के कुड़ ग्राम मे लालचन्द्र व हीरादेवी के यहां जन्मे बालक रत्नचंद्र के बाल्यकाल,दृढ़ वैराग्य, आचार्य गुमानचन्द्र के सानिध्य व चरित्रमय जीवन का परिचय व पद के प्रति निष्पृहता भाव का वर्णन करते हुए कहा कि मुनि रत्नचंद्र ने अपने गुरुदेव के देवलोकगमन होने के पश्चात संघ द्वारा योग्यता के आधार पर उन्हें आचार्य बनाने का निर्णय लेने के बावजूद भी पद लेने से मना करते हुए कहा कि मेरे कि चाचा गुरु श्री दुर्गादास मुनि के रहते पद स्वीकार नही करूंगा,बिना पद के भी निष्पृहता पूर्वक संघ का संचालन करते हुए वे चाचा मुनिराज दुर्गादास को पूज्यश्री कह कर पुकारते तो दुर्गादास मुनि भी उन्हें पूज्यश्री कह कर पुकारते। चौबीस वर्षों के पश्चात जब चाचा गुरु का देवलोकगमन हुआ तब आचार्य पद स्वीकार किया। उनका चरित्रमय जीवन प्रेरणास्त्रोत रुप हैं। वे चौदह वर्ष की बालवय में मण्डोर, जोधपुर में दीक्षित हुए। जोधपुर मे 48 वर्ष की वय मे रत्नवंश के आचार्य पद पर आरुढ़ हुए,आचार्य पर्याय बीस वर्षो का रहा, 68 की वय मे जोधपुर मे संलेखना संथारा पूर्वक देवलोकगमन हुआ।

धर्म सभा में रुपराज सेठिया, कांतिलाल तातेड़, इंदरचंद महावीरचन्द कर्णावट, महावीरचन्द छाजेड़, गौतमचन्द मुणोत, दीपक व योगेश श्रीश्रीमाल की सामायिक परिवेश मे उपस्थिति रही। उपवास, एकासन, आयम्बिल आदि तपस्याओं के प्रत्याख्यान हुए। इन्द्रचंद कर्णावट ने जैन संकल्प करवाया। नरेन्द्र कांकरिया ने मांगलिक सुनाई। तीर्थंकर भगवन्तों, गुरु भगवन्तों की जयजयकार के साथ स्मृति दिवस सम्पन्न हुआ।

राजलदेसर परिषद का आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजलदेसर परिषद द्वारा मानव सेवा चिकित्सा प्रकल्प के अंतर्गत रविवार को आयुर्वेदिक चिकित्सा जाँच शिविर का आयोजन राजराजेश्वरीनगर तेरापंथी भवन में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान से सहयोग से किया जा रहा है। इस शिविर में डॉक्टरों की टीम द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा द्वारा पारंपरिक स्वास्थ्य जाँच एवं नि:शुल्क दवाई उपलब्ध कराई जायेगी।

अध्यक्ष विमल बैद, मंत्री कुलदीप बैद अपने साथियों के साथ इस शिविर की तैयारियों में जुटे हुए हैं। इस शिविर का लाभ उठाने के लिए संयोजक राजेंद्र बैद से मोबाइल क्रमांक 8867904981 पर सम्पर्क कर पंजीकरण करा सकते हैं।

दूसरों के जीवन को बचाने के संकल्प के साथ महेन्द्र मुणोत ने मनाया अपना जन्मदिन

- रक्तदान शिविर में हुआ 108 यूनिट रक्त का संग्रह
- मुणोत के सैंकड़ों प्रशंसकों ने मनाया जन्मदिन, दी शुभकामनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर मारुति मेडिकल्स के प्रमुख महेन्द्र मुणोत ने अपना 58 जन्मदिवस मनाया। ज्ञातव्य है कि महेन्द्र मुणोत न केवल व्यवसाय में अग्रणी है अपितु सामाजिक कार्य में भी आगे रहते हैं। गत दिनों मुणोत ने अपने पिता की स्मृति में देश की विभिन्न गौशालाओं को 51 लाख रुपये दान देकर गोसेवा का दायित्व निभाया था। मुणोत हमेशा से रक्तदान के भी हिमायती है और समय समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन करते व करवाते रहते हैं। उन्होंने अपने जन्मदिवस को और यादगार बनाने के लिए विजयनगर स्थित प्रतिष्ठान मारुति मेडिकल के पास रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

शनिवार को सुबह 10 बजे शुरू हुए शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 180 यूनिट रक्त देकर मानवीय मूल्यों को बरकरार रखा। मल्लेश्वरम के बेंगलूरु ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित इस शिविर में तथा मुणोत के जन्मदिवस के मौके पर पद्मश्री पुरस्कार विजेता शताब्दी वृक्षमाते सालुदमारा थिमक्कन पहुंची और मुणोत परिवार को शुभकामनाएं दी। मुणोत ने रक्तदान शिविर में उपस्थित जनों को प्रोत्साहित करते हुए रक्तदान के माध्यम से दूसरों की जिन्दगी बचाने के संकल्प लिया।

शिविर में भाजपा नेता व पूर्व पार्षद एच. रवीन्द्र, उमेश शेट्टी, हिंदू राष्ट्र सेना के पुनित केरेहल्ली, कर्नाटक डिफेंस फोरम के प्रदेश अध्यक्ष रमेश गौड़ा, कस्तूरी कर्नाटक पीपुल्स फोरम के प्रदेश अध्यक्ष के साथ-साथ बीएचएल कर्मचारी संघ, महादेवपुर विधानसभा क्षेत्र कन्नड़ लोक परिषद, बदावनागुड़ी डोड्डा गणेश मंदिर एसोसिएशन, डॉ. बी.आर. अंबेडकर दलित संघ, जैन समाज, विभिन्न राजस्थानी और उत्तर भारतीय संगठन, व्हाट्स फाउंडेशन के प्रमुख आनंदकृष्ण दास, विहंगम योग संस्थान संत किशनलाल के साथ-साथ विभिन्न महिला संगठन के सदस्यों ने मुणोत कोजनमदिन की शुभकामनाएं दी। मुणोत ने अपने जन्मदिन के मौके पर गौपूजा की तथा पद्मश्री विजेता वृक्षमाते सालुदमारा थिमक्कन आदि का सम्मान किया। रक्तदान शिविर की व्यवस्था हम्पीनगर के नवीन शेट एवं सर्व प्राणी दया संघ के उपेन्द्रकुमार ने संभाली।

देह, दिमाग, दिल की शुद्धि से जीवन बनता पवित्र : मुनि हिमांशुकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हमारे जीवन में तीन प्रकार की शुद्धि होनी चाहिए- देह, दिमाग और दिल। इनकी शुद्धि से जीवन में आनन्द का वास होता है, पवित्रता बढ़ती है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास होता हैं- उपरोक्त विचार शनिवारीय प्रवचनमाला में महावीर जैन भवन, ट्रिप्लीकेन में धर्म परिषद को सम्बोधित करते हुए मुनि श्री हिमांशुकुमार ने कहें।

मुनिश्री ने कहा कि जैनागमों में निर्जरा के बारह प्रकार बतायें गए है, इनकी साधना से तन, मन और भावों की शुद्धि होती है। देह की शुद्धि के लिए तप का सहारा लिया जाना चाहिए। तप से अनेकानेक लाइलाज बीमारीयां भी दूर हो सकती हैं। वर्तमान में डॉक्टर भी कहते हैं कि जलन, ऐसिडिटी, कब्ज इत्यादि होने पर रात्रि भोजन छोड़ना चाहिए। बुखार में लंगन (खाना छोड़ना) करना चाहिए। चातुर्मास्य समय में तपस्या की विशेष साधना करनी चाहिए। अतः तप से देह की शुद्धि हो सकती हैं। दूसरे बिन्दु पर प्रकाश डालते हुए मुनिश्री ने कहा कि दिमाग को नकारात्मकता रुपी कचरे से बचाना चाहिए। उसके लिए सत् साहित्य पढ़ना, वितराग पथ के पथिक साधु संतों का प्रवचन श्रवण करना चाहिए। तीसरे बिन्दु दिल की शुद्धि के लिए सतसंग करने, श्रद्धा भाव से संत महात्माओं की सेवा उपासना करने का आह्वान किया। प्रांसगिक व्यक्ति की घटना का उल्लेख करते हुए मुनिश्री ने कहा कि कभी कभी थोड़ी देर की संत साधकों की संगति जीवन में आमूलचूल परिवर्तन लाती हैं।

मुनि श्री हेमंतकुमार ने कहा कि डिमाण्ड होने पर जैसे प्राप्त वस्तु प्रिय लगती है, सुखद अनुभूति कराती है। उसी तरह ज्ञान पिपासु के लिए जीन वाणी सुखद अहसास कराती हैं। हमारा शरीर नौका, आत्मा नाविक और यह संसार समुद्र के समान है। संसार रुपी समुद्र से पार पाने, मोक्षगामी बनने के लिए जैसे प्लेन, रेल यात्रा बिना उनसे आसक्ति, जुड़ाव से यात्रा सम्पन्न करते है। उसी तरह हमें हमारे शरीर पर भी आसक्त नहीं रहना चाहिए। शरीर रुपी नाव की भौतिक संसाधनों, सांसारिक क्रियाकलापों, नाम, यश, ख्याति, प्रदर्शन इत्यादि से दूरी महान मोक्ष की ओर बढ़ाने वाली होती है।

मेरिडियन हॉस्पिटल ने पहली बार 10 चैनल इंटरस्टिशियल ब्रेकी थेरेपी की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मेरिडियन हॉस्पिटल चेन्नई में स्वास्थ्य सेवा के लिए व्यापक बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ 300 बिस्तरों वाला मल्टी सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल है। जिसने अपनी 10 चैनल इंटरस्टिशियल ब्रेकीथेरेपी सेवाओं का शुभारंभ किया है। मेरिडियन हॉस्पिटल द्वारा यह सेवा उत्तरी चेन्नई से नेल्लौर तक कैंसर के उपचार में एक अभूतपूर्व प्रगति है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हॉस्पिटल को अप्रैल 2024 में रेडियोथेरेपी जिसे इलेक्टा लिनैक कहा जाता है कि सफल शुरुआत के बाद मिली है जिसने मेरिडियन हॉस्पिटल को अभिनव कैंसर देखभाल के मामले में सबसे आगे रखा है।

टी नगर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मेरिडियन हॉस्पिटल के रेडिएशन ऑँकोलॉजिस्ट डॉ राजेश कर, डॉ पांडीदुरई ऑँकोलॉजिस्ट डॉ केनी रॉबर्ट, सहित कई प्रतिष्ठित डॉक्टरो ने कैंसर के उपचार और तकनीक पर अपने विचार रखें। इन विशेषज्ञों ने विशेष रूप से कैंसर रोगियों के लिए इंटरस्टिशियल ब्रेकीथेरेपी की क्षमताओं और लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

मेरिडियन अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रोफेसर डॉक्टर अशोक त्यागराजन ने चेन्नई में कैंसर सुविधाओं और उपचार के तौर तरीकों और कैंसर उपचार प्रदान करने के लिए मेरिडियन हॉस्पिटल के रणनीति के समग्र परिदृश्य को प्रस्तुत किया। डॉ राजेश कर ने जोर देते हुए कहा कि इंटरस्टिशियल ब्रेकी थेरेपी कैंसर के उपचार में एक बहुत बड़ा कदम है उन्होंने कहा कि रेडियो धर्मी स्रोतों को सीधे ट्यूमर में या उसके पास रखकर यह थैरेपी उच्च खुराक वाले विकिरण को सटीकता के साथ वितरित करती है जिससे आसपास के स्वस्थ ऊतकों को कम से कम नुकसान होता है यह दृष्टिकोण प्रोस्टेट गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर जैसे स्थानीयकृत कैंसर के इलाज के लिए विशेष रूप से प्रभावित है। मेरिडियन हॉस्पिटल के मेडिकल ऑँकोलॉजिस्ट डॉक्टर पांडीदुरई ने कहा कि मेरिडियन ब्रैकीथेरेपी का उपयोग एकल पद्धति के रूप में अन्य उपचारों जैसे कि बाहरी बीम विकिरण चिकित्सा और स्टीरियोटैकटिक बॉडी रेडिएशन थेरेपी के संयोजन से किया जा सकता है जो हमारे रोगियों के लिए बहुमुखी और प्रभावी उपचार विकल्प प्रदान करता है उन्होंने बताया कि इटरस्टिशियल ब्रोकी थेरेपी आंतरिक वितरण चिकित्सा का एक रूप है जिसमें रेडियोधर्मी स्रोतों को सीधे ट्यूमर में या उसके पास रखा जाता है जिससे आसपास के स्वस्थ ऊतकों पर इसका न्यूनतम प्रभाव पड़ता है उन्होंने बताया कि यह सटीक दृष्टिकोण स्थानीयकृत कैंसर के लिए विशेष रूप से प्रभावशाली है जो प्रोस्टेट गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर के उपचार में उच्च सफलता दर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इंटरस्टिशियल ब्रेकी थेरेपी की शुरुआत करके अस्पताल न केवल अपने उपचार प्रदर्शनों की सूची को उन्नत कर रहा है बल्कि अपने रोगियों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान करने के लिए अपने समर्पण की भी पुष्टि कर रहा है।

योग दिवस — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नवकार बहु मंडल अलसूर की सदस्याओं ने जैन भवन अलसूर में योग शिक्षण शिविर का आयोजन किया जिसमें बोधी इंस्टीयूट इंदिरानगर के योग शिक्षक जसदीप ने उपस्थित महिलाओं को योग का महत्व बताते हुए कहा कि योग से शरीर में स्फूर्ति एवं लचीलापन आता है और मन की स्थिरता बढती है। योग प्रशिक्षक ने सरल योगासनों का अभ्यास कराया और मार्गदर्शन दिया। मंडल की राजेश्वरी तातेड, वसंता खाबिया, सुनीता कांकरिया, दीपिका सांखला, प्रियंका चोरडिया ने व्यवस्था में सहयोग दिया। अलसूर महिला मंडल ने भी भाग लिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.